इंदौर, सोमवार 06 अप्रैल 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 136
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

नर्मदा के चौथे चरण की खुशियों के बीच प्यासा इंदौर - क्या अभी भी अधूरी है 'जल क्रांति'?

अक्षय की बात
अपनो के साथ

मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा नदी से इंदौर को जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित परियोजना के चौथे चरण का जश्न मनाया जा रहा है। शहर में इसे विकास और भविष्य की जल सुरक्षा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। लेकिन इस उत्सव के बीच एक कड़वी सच्चाई भी है- इंदौर आज भी शुद्ध और नियमित पानी की समस्या से जूझ रहा है।

इंदौर देश के सबसे स्वच्छ शहरों में गिना जाता है, लेकिन जल आपूर्ति के मामले में तस्वीर उतनी साफ नहीं है। नर्मदा परियोजना के तीन चरण पहले ही लागू हो चुके हैं, और चौथे चरण से उम्मीद थी कि शहर की जल समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी। परंतु हकीकत यह है कि कई इलाकों में अभी भी पानी की सप्लाई अनियमित है और गुणवत्ता पर सवाल उठते रहते हैं।

नर्मदा का पानी शहर तक पहुंचते-पहुंचते कई स्तरों से गुजरता है, लेकिन पाइपलाइन लीकेज, पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर और वितरण व्यवस्था की खामियों के कारण यह पानी कई जगहों पर अशुद्ध हो जाता है। कई कॉलोनियों में गंदा या बदबूदार पानी आने की शिकायतें आम हैं।

चौथा चरण मुख्यतः पानी की उपलब्धता बढ़ाने पर केंद्रित है, लेकिन असली समस्या 'डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम' में है। शहर के बाहरी और तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों तक पानी पहुंचाने के लिए पर्याप्त पाइपलाइन और प्रेशर मैनेजमेंट अभी भी अधूरा है। परिणामस्वरूप, कुछ क्षेत्रों में पानी की अधिकता है तो कुछ जगहों पर लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

इंदौर की आबादी तेजी से बढ़ रही है। नए-नए टाउनशिप और कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, लेकिन जल आपूर्ति की योजना उसी अनुपात में मजबूत नहीं हो पाई है। इससे नर्मदा परियोजना के बावजूद मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बना हुआ है।

नर्मदा के चौथे चरण का जश्न निश्चित रूप से विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। जब तक वितरण व्यवस्था और जल गुणवत्ता में सुधार नहीं होता, तब तक इंदौर की प्यास पूरी तरह नहीं बुझ पाएगी। जश्न जरूरी है, लेकिन आत्ममंथन उससे भी ज्यादा जरूरी।

ट्रक के पीछे जा घुसी कार, 4 की मौत

आष्टा से बारात लौट रही थी अचानक ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

हादसे में ये 8 घायल हुए
आसिफ (38) पिता रफीक
मो. अली (22) पिता मो. साबिर
अयान (17) पिता आबिद
सोनू (19) पिता जावेद
मो. कैफ (22) पिता साजिद अली
रेहान (21) पिता मकसूद अली
अलफेज (18) पिता नासिर खान
फैजान (16) पिता फिरोज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में दुल्हन लेकर लौट रही बारातियों से भरी कार (क्वालिस) ट्रक के पीछे जा घुसी। देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास रविवार देर रात हुए इस हादसे में 4 युवकों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। 3 लोगों ने मौके पर दम तोड़ा, जबकि एक की इलाज के दौरान मौत हुई। मृतकों के परिजन के मुताबिक वे शादी समारोह के बाद लौट रहे थे। आगे चल रहे ट्रक में भूसा भरा था। ड्राइवर तेज रफ्तार से चला रहा था।

■ **हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए**-ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास उसने एक गाड़ी को ओवर टेक किया था। इस बीच अचानक ब्रेक लगा दिया। पीछे चल रही कार (क्वालिस-MP35-D-0363) का ड्राइवर ब्रेक नहीं लगा पाया और वह पीछे से आयशर ट्रक (MP41-GA-0949) में जा घुसी। इससे कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के मुताबिक हादसे में इरफान (24) पिता अशफाक, आरिस (20) पिता साजिद और फरहान (19) पिता जावेद मेव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अरफाद (23) पिता रईस खान ने उपचार के दौरान दम तोड़ा।

■ **चीख-पुकार मची, घायलों को अस्पताल भेजा**-टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार (क्वालिस) के परखच्चे उड़ गए। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज जारी है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर चक्काजाम किया। कुछ लोगों ने जिम्मेदार वाहन में आग लगाने की कोशिश की, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही खुड़ैल पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। परिजन के हंगामे के बीच पुलिस ने समझाइश देकर स्थिति शांत कराई और यातायात बहाल किया। एएसपी रूपेश द्विवेदी ने कहा- परिजन के आरोपों पर ट्रक ड्राइवर से पूछताछ कर जांच की जाएगी। घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजन के मुताबिक आष्टा से बारात लेकर लौट रहे थे। ट्रक ड्राइवर चापड़ा से तेज रफ्तार से चला रहा था। ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास उसने एक गाड़ी को ओवरटेक किया और हादसा हो गया। उज्जैन में गरोठ रोड पर शुक्रवार रात मिनी बस और ट्रैक्टर की टक्कर हो गई। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए। एक की हालत गंभीर है। युवक की मौत से नाराज ग्रामीणों ने बस पर पथराव कर आग लगा दी।

शारदा विहार में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठक

एससी-एसटी वर्ग में पकड़ मजबूत करने संघ का फोकस, रणनीति तय

भाजपा और विहिप सहित आरएसएस के अनुषांगिक संगठनों के प्रतिनिधि हुए शामिल, अनुषांगिक संगठन और भाजपा के बीच तालमेल बैठाकर काम करने पर भी चर्चा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राजधानी के केरवा रोड स्थित शारदा विहार परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दो दिवसीय प्रांतीय समन्वय बैठक शनिवार से शुरू हुई, जिसमें संघ के मध्य भारत प्रांत के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में खास तौर पर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में संगठन की पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में संघ के सहसरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर मौजूद रहे, जबकि रविवार को सहसरकार्यवाह अरुण कुमार के शामिल होने का कार्यक्रम है। इस समन्वय बैठक में कुल 32 से अधिक अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। बैठक में संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति और जनजाति बहुल क्षेत्रों में संगठन का विस्तार प्राथमिकता रहेगा। इसके तहत सामाजिक गतिविधियों को बढ़ाने, सेवा कार्यों को तेज करने और नई शाखाएं शुरू करने पर जोर दिया गया। संघ का मानना है कि इन वर्गों के बीच पहुंच बढ़ाकर संगठनात्मक आधार मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देने की योजना पर चर्चा हुई। बैठक में सामाजिक विस्तार, संगठनात्मक बदलाव और राजनीतिक समन्वय जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक रणनीति तैयार की जा रही है। खासकर एससी-एसटी वर्ग में पकड़ मजबूत करने का फोकस आने वाले समय में संघ की कार्ययोजना का प्रमुख हिस्सा रहेगा।

भाजपा और अनुषांगिक संगठनों में बेहतर तालमेल पर जोर: बैठक का एक अहम मुद्दा संघ के अनुषांगिक संगठनों और भारतीय जनता पार्टी के बीच तालमेल को मजबूत करना रहा। कई संगठनों ने भाजपा के साथ समन्वय की कमी की बात रखी। इस पर संघ ने तय किया कि सभी संगठनों और भाजपा पदाधिकारियों के बीच बेहतर संवाद और समन्वय स्थापित किया जाएगा, ताकि सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा: बैठक में सामाजिक और कानूनी मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसमें तथाकथित लव जिहाद और एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इन मुद्दों पर संगठनात्मक दृष्टिकोण और भविष्य की रणनीति को लेकर मंथन किया गया।

संगठनात्मक ढांचे में बदलाव पर विचार संघ की नई संगठनात्मक संरचना को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। हाल ही में हरियाणा के पट्टीकल्याणा (समालखा) में हुई प्रतिनिधि सभा में प्रांत प्रचारक के पद को समाप्त कर संभागीय प्रचारक की नई व्यवस्था लागू करने का निणज्य लिया गया है। यह व्यवस्था मार्च 2027 से लागू होगी। इस बदलाव के अनुरूप संघ अपने कार्यक्रमों और कार्यप्रणाली को नया रूप देने की तैयारी कर रहा है, ताकि संगठनात्मक मजबूती के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

कई प्रमुख संगठन हुए शामिल
बैठक में संघ से जुड़े कई प्रमुख संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, दुगाज वाहिनी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच और राष्ट्र सेविका समिति सहित अन्य संगठन शामिल हैं।

इंदौर में कर्नाटक की लेखिका को बच्चा चोर समझकर पीटा

तीन तलाक पर किताब लिखने आई थी; डेढ़ महीने बाद भी FIR नहीं हुई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में डेढ़ महीने पहले कर्नाटक की लेखिका को बच्चा चोर समझकर पीट दिया गया। लेखिका का कसूर सिर्फ इतना था कि वह 'तीन तलाक' पर किताब लिखने आई थी। पिटाई के बाद से लेखिका कर्नाटक से लगातार पुलिस को न्याय की गुहार लगा रही है, लेकिन अब तक उसे कुछ खास सफलता नहीं मिली।

खजराना इलाके में 15 फरवरी को कर्नाटक की एक लेखिका परवीन के साथ हुई मारपीट के मामले में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है। लेखिका का कहना है कि बच्चा चोर बताकर भीड़ ने उनकी पिटाई की थी और थाने में समझौता कराया गया। कर्नाटक लौटने के बाद से वह लगातार ऑनलाइन शिकायत कर रही हैं, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। लेखिका परवीन के अनुसार, 15 फरवरी को सिकंदराबाद कॉलोनी में उनके साथ भीड़ ने मारपीट की। लोगों ने उन्हें बच्चा चोर समझकर घेर लिया और कपड़े खींचते हुए पीटा। घटना के बाद जब उन्होंने थाने में शिकायत की तो आरोपी पक्ष के लोगों ने एफआईआर दर्ज नहीं होने देने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि उनसे माफीनामा लिखवाया गया और मोबाइल से वीडियो डिलीट करवाने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। 16 फरवरी को वह वापस कर्नाटक पहुंचीं और वहां से ऑनलाइन पुलिस से संपर्क किया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

परवीन ने बताया कि नवंबर 2025 में शाहबानो से जुड़े चर्चित तीन तलाक प्रकरण की जानकारी उन्हें सोशल मीडिया से मिली थी। इस पर उन्होंने किताब लिखने का निर्णय लिया। सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने शाहबानो के परिवार से संपर्क किया और करीब तीन माह तक बातचीत होती रही। इसके बाद 13 फरवरी को वह विमान से इंदौर आईं। 14 फरवरी को ओल्ड पलासिया में शाहबानो के परिवार के सदस्यों से मुलाकात हुई। आरोप है कि परिवार की जानकारी देने के लिए 25 लाख रुपए की मांग की गई। लेखिका ने मना किया तो व्हाट्सएप पर एक एग्रीमेंट भेजा गया, जिसमें 50 प्रतिशत मुनाफा देने की शर्त थी। इस पर लेखिका सहमत हो गईं। 15 फरवरी को लेखिका परवीन शाहबानो के घर पहुंचीं और करीब दो घंटे बातचीत की रिकॉर्डिंग की। इसके बाद परिवार के लोगों ने एक एग्रीमेंट साइन करने को कहा।

आंकड़ों के खेल में उलझा निगम का राजस्व

श्रेय लेने की होड़ में बिगड़ा वसूली का गणित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम एक बार फिर अपने ही आंकड़ों में उलझता नजर आ रहा है। राजस्व वसूली को लेकर सामने आए ताजा आंकड़े न सिर्फ वाहैरान पीपुल्स समाचार बल्कि निगम एक्सक्लूसिव के दावों की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। एक ओर जहां पिछले साल 1100 करोड़ रुपए की वसूली दर्ज की गई थी, वहीं इस साल यह आंकड़ा घटकर 1086 करोड़ रुपए रह गया है, लेकिन इसके बावजूद निगम 155 करोड़ रुपए अधिक वसूली का दावा कर रहा है, जो पूरे मामले को अजब-गजब बना देता है। हालांकि इसे लेकर निगम की ओर से कई तर्क दिए गए हैं जो किसी कहानी की तरह लगते हैं।

वसूली रिकॉर्ड अपने नाम करने की होड़-इस मामले में निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मानते हैं कि साल 2024-25 में ही निगम ने एक हजार करोड़ रु. की राजस्व वसूली का रिकॉर्ड बना दिया था। राजस्व विभाग के एक रिटायर्ड अधिकारी ने बताया कि अलग-अलग तर्क के आधार पर वर्तमान में हुई 1086 करोड़ की वसूली को ऐतिहासिक बताने का प्रयास किया जा रहा है।

राजस्व समिति प्रभारी व एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में जलकर बकाया वसूली के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना चलाई गई थी, जिससे अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ। हालांकि, 1-2 अप्रैल 2025 को डेटा विश्लेषण के दौरान सामने आया कि कुछ चेक बाउंस हो गए, जिसके कारण 1100 करोड़ रुपए का आंकड़ा घटकर 932 करोड रुपए रह गया। बता दें कि अब निगम इसी आंकड़े से तुलना कर इस साल का राजस्व 155 करोड़ रुपए अधिक का दावा पेश कर रहा है। इस साल जो राजस्व प्राप्त हुआ है वह 1086 करोड़ रुपए है। मामले में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने राजस्व समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान द्वारा दिए तर्क पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम अजब और गजब दोनों है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 1100 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र करने का जश्न एक माह तक मनाया गया। मीडिया को भी बताया गया कि नगर निगम के इतिहास में पहली बार 1000 करोड़ राजस्व वसूली का आंकड़ा क्रॉस कर लिया गया है।

पिछले साल 1100 करोड़ का मनाया था जश्न
नगर निगम राजस्व विभाग के सूत्रों ने दावा किया है कि वित्त वर्ष 2024-25 में 31 मार्च 2025 की रात 8 बजे 980 करोड़ रुपए निगम के खाते में जमा हो गए थे, जिसके बाद अलग-अलग मदों से मिले राजस्व की पोस्टिंग की गईतो नगर निगम को 1100 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ था। सभी नेबधाई और शुभकामनाएं दी थी। नगर निगम परिषद सम्मेलन के दौरान सांसदशंकर लालावनी, विधायकगणों ने बधाई भी दी थी।

6.5 करोड़ रुपए की आधुनिक लैब में मशीनें लगीं, फिर भी भोपाल पर निर्भर

स्टाफ तैनात, लेकिन ऑडिट अटका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर में मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का सपना दिखाकर शुरू की गई फूड एंड ड्रग लैब आज खुद सिस्टम की धीमी रफ्तार का शिकार बनी हुई है। अक्टूबर 2025 में धूमधाम से लोकार्पण के बावजूद यहां अब तक खाद्य नमूनों की जांच शुरू नहीं हो सकी है। नतीजा इंदौर जैसे बड़े शहर को आज भी अपने सैंपल जांच के लिए भोपाल की ओर देखना पड़ रहा है। करीब छह महीने बीत जाने के बाद भी हालात जस के तस हैं। लैब में अत्याधुनिक मशीनें लगी हैं, स्टाफ मौजूद है, लेकिन जरूरी एनएबीएल और फूड सेफ्टी ऑडिट पूरे न होने के कारण फूड टेस्टिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है।

जानकारी के मुताबिक, लैब का एनएबीएल ऑडिट मार्च के अंत तक और फूड सेफ्टी ऑडिट मई तक पूरा होने की संभावना है।

इसके बाद ही यहां नियमित जांच शुरू हो सकेगी। यानी अगर सब कुछ तय समय पर हुआ तो जून से इंदौर में फूड सैंपल की जांच शुरू हो पाएगी। लेकिन सवाल यह है कि जिस लैब को मिलावट पर नकेल कसने के लिए बनाया गया था, वह खुद कागजी प्रक्रियाओं में क्यों उलझी रह गई? इंदौर में हर महीने 50 से 60 खाद्य नमूने लिए जाते हैं। तीन टीमें लगातार बाजार में जांच अभियान चलाती हैं। सीएम हेल्पलाइन, 311 और जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों पर भी कार्रवाई होती है। लेकिन सैंपल भोपाल भेजने की मजबूरी के चलते पूरी प्रक्रिया धीमी हो जाती है। कई बार सैंपल पुराने हो जाते हैं और रिपोर्ट आने में एक महीने तक का समय लग जाता है। ऐसे में मिलावटखोरों पर समय रहते कार्रवाई कर पाना मुश्किल हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

जैन समाज गोरवान्वित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैन समाज के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन को भारतीय सेना की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण कमांड का प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनकी इस

उपलब्धि ने न केवल भारतीय सैन्य शक्ति को एक कुशल नेतृत्व प्रदान किया है, बल्कि जैन समाज का सिर भी गर्व से ऊँचा कर दिया है। इस महान उपलब्धि पर विश्व जैन संगठन और राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ ने संयुक्त रूप से लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन को मंगल शुभकामनाएं प्रेषित कर हार्दिक बधाई दी दद्दू ने कहा कि उनकी कार्यशेली निष्ठा, शौर्य और राष्ट्र के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह नियुक्ति उनकी वर्षों की कठिन परिश्रम और बेदाग सेवा का परिणाम है।

हनुमान जन्मोत्सव पर समाजसेवी श्रीमती सरजू बाई बिलरवान का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर इंदौर शहर में राजस्थानी पंचायत, इंदौर शहर वाल्मीकि पंचायत एवं विश्व हिन्दू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाल्मिक समाज की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सरजू बाई बिलरवान का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। श्रीमती सरजू बाई बिलरवान ने अपने सेवानिवृत्ति के पश्चात अपनी वर्षों की संचित पूंजी से मेघदूत नगर क्षेत्र में सार्वजनिक दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर का निर्माण कर एक अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक कार्य किया है।

एटीएस अफसर बनकर डिजीटल अरेस्ट की दो वारदातें

नहीं हो रहे लोग जागरुक, दिनों-दिन बढ़ रही ऑनलाइन फ्राड की वारदातें

एक से दो लाख और दूसरे से 10 लाख का आन लाइन फ्राड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कई बार समझाने के बाद भी लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। पुणे के एटीएस के अफसर बनकर और आतंकवादियों से तार जुड़े होने एवं उनके खिलाफ केस दर्ज होने का डर बताकर छोटी ग्वाल टोली और भंवरकुआ इलाके में दो डिजीटल अरेस्ट के मामले सामने आए हैं। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि पहला मामला छोटी ग्वालटोली में क्रिश्चियन कॉलेज के पास रहने वाले सैय्यद अली से जुड़ा है। उनके खाते का आतंकवादी गतिविधियों में उपयोग हो रहा है। उन्हें डिजीटल अरेस्ट किया और डराकर दो लाख रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया।

दूसरे मामले में भंवरकुआं क्षेत्र की विष्णुपुरी कॉलोनी निवासी अमोद साहू के पास पुणे एटीएस के अफसर बनकर ठग ने फोन किया। उन्हें कार्रवाई के नाम से डराकर डिजीटल अरेस्ट कर लिया गया। उसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज और गिरफ्तारी का झांसा देकर खातों में 10 लाख रुपए जमा करवा लिए गए। उसके बाद उन्हें पता चला कि उनके साथ डिजीटल अरेस्ट कर ठगी की वारदात हुई है तो वे पुलिस की शरण में पहुंचे। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में शिकायत बाद खातों को फ्रीज करवाने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। साइबर सेल के साथ मिलकर मामलों की जांच की जा रही है।

इसी तरह की अन्य घटनाएँ

द्वारकापुरी पुलिस ने बताया कि मुकेश पिता सुभाषचंद्र निवासी द्वारकापुरी के साथ लाखों की ठगी हुई है। अज्ञात मोबाइल धारक ठगों ने मुकेश को फोन लगाया और इंवेस्टमेंट में मोटा मुनाफा देने का प्रलोभन दिया और टेलीग्राम अकाउंट में रूपए डलवा लिए और बाद में न मूल राशि लौटाई और न ही मुनाफा दिया। चंदननगर पुलिस के मुताबिक शिव राठौर निवासी डायमंड पैलेस के साथ भी आनलाइन धोखाधड़ी हुई। मोबाइल पर अज्ञात ठग ने झांसे में लेते हुए मुकेश के खाते से 1 लाख 27 हजार से अधिक रूपए ट्रांसफर करवा लिए। अन्नपूर्णा पुलिस ने बताया कि दीपेश यादव निवासी लालबहादुर शास्त्री नगर के साथ भी ऐसी ही ठगी हुई। अज्ञात ठग ने उनसे फोन पर संपर्क कर इनवेस्टमेंट में भरपूर लाभ का झांसा देकर खाते से ढाई लाख से ज्यादा रूपए विड्राल कर लिए। पार्श्वनाथ नगर

में संजय बालबानी के खाते से एक लाख 30 हजार रूपए भी इसी तरह विड्राल किए गए।

शहर में तीन मामले में आए सामने इंवेस्टमेंट के नाम पर ठगी– शहर में आनलाइन धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं जिसमें मोबाइल पर फोन लगाकर झांसे में लेने वाले ने इंवेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों का चूना लगाया। पहली घटना में एक व्यक्ति का मोबाइल हैक कर रूपए ट्रांसफर कर लिए। ठगी करने वाले की पुलिस तलाश कर रही है। छत्रीपुरा पुलिस ने बताया कि धर्मेंद्र भाट निवासी बाराभाई लालबाग गेट की शिकायत पर अज्ञात ठग की तलाश की जा रही है। धर्मेंद्र का मोबाइल हैक कर ठग ने 6 ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब पौने तीन लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए। अलग अलग मदों में रूपए ट्रांसफर होने के मैसेज धर्मेंद्र के पास आने लगे थे तब उसे पता चला कि उसका मोबाइल सायबर फ्राड करने वालों ने हैक कर लिया है। पुलिस मोबाइल नंबर और जिन खातों में रूपए ट्रांसफर हुए उनके नाम पते के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। नरेंद्र सिंह चौहान निवासी अवंतिका नगर का मोबाइल हैक कर ठग ने उनके खाते से 1 लाख 65 हजार रूपए ट्रांसफर कर लिए। द्वारकापुरी पुलिस ने बताया कि मुकेश पिता सुभाषचंद्र निवासी द्वारकापुरी के साथ लाखों की ठगी हुई है। अज्ञात मोबाइल धारक ठगों ने मुकेश को फोन लगाया और इंवेस्टमेंट में मोटा मुनाफा देने का प्रलोभन दिया और टेलीग्राम अकाउंट में रूपए डलवा लिए और बाद में न मूल राशि लौटाई और न ही मुनाफा दिया। चंदननगर पुलिस के मुताबिक शिव राठौर निवासी डायमंड पैलेस के साथ भी आनलाइन धोखाधड़ी हुई। मोबाइल पर अज्ञात ठग ने झांसे में लेते हुए मुकेश के खाते से 1 लाख 27 हजार से अधिक रूपए ट्रांसफर करवा लिए। अन्नपूर्णा पुलिस ने बताया कि दीपेश यादव निवासी लालबहादुर शास्त्री नगर के साथ भी ऐसी ही ठगी हुई। अज्ञात ठग ने उनसे फोन पर संपर्क कर खाते से ढाई लाख से ज्यादा रूपए विड्राल कर लिए। पार्श्वनाथ नगर में संजय बालबानी के खाते से एक लाख 30 हजार रूपए विड्राल किए गए।

नहीं थम रही आन लाइन धोखाधड़ी की वारदातें

शहर में आनलाइन धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं जिसमें मोबाइल पर फोन लगाकर झांसे में लेने वाले ने इंवेस्टमेंट के नाम पर कई लोगों के साथ आन लाइन फ्राड की वारदातों को अंजाम दिया। कहीं मोबाइल हैक कर खाते से पैसा निकाल लिया गया तो कहीं इनवेस्टमेंट में भरपूर लाभ का झांसा देकर वारदातों को अंजाम दिया गया। इस तरह की आधा दर्जन से ज्यादा वारदातों में पुलिस और साइबर सेल मिलकर जांच कर रही है। छत्रीपुरा पुलिस ने बताया कि धर्मेंद्र भाट निवासी बाराभाई लालबाग गेट की शिकायत पर अज्ञात ठग की तलाश की जा रही है। धर्मेंद्र का मोबाइल हैक कर ठग ने 6 ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब पौने तीन लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए। अलग अलग मदों में रूपए ट्रांसफर होने के मैसेज धर्मेंद्र के पास आने लगे थे तब उसे पता चला कि उसका मोबाइल सायबर फ्राड करने वालों ने हैक कर लिया है। पुलिस मोबाइल नंबर और जिन खातों में रूपए ट्रांसफर हुए उनके नाम पते के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। नरेंद्र सिंह चौहान निवासी अवंतिका नगर का मोबाइल हैक कर ठग ने उनके खाते से 1 लाख 65 हजार रूपए ट्रांसफर कर लिए।

अवैध मंडी पर चला निगम का डंडा, सेह नगर से ठेले हटाए

शिकायतों के बाद कार्रवाई, सड़क अतिक्रमण मुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में स्नेह नगर क्षेत्र में सड़क किनारे लग रही हटाते हुए ठेले जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान अवैध सब्जी मंडी को निगम अमले ने मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया। बताया जा रहा है कि स्नेह नगर क्षेत्र में लंबे समय से सड़क किनारे अवैध रूप से सब्जी मंडी लग रही थी, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती थी और आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

स्थानीय रहवासियों द्वारा लगातार शिकायतें भी की जा रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर नगर निगम की टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान सड़क पर लगे ठेलों को हटाया गया और कई ठेले जब्त भी किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल भी रहा, लेकिन निगम अमले ने सख्ती के साथ पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। अधिकारियों ने ठेला संचालकों को चेतावनी दी कि दोबारा सड़क पर अवैध रूप से दुकान लगाने पर और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी का असर-अस्पतालों की ओपीडी में बढ़े मरीज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बढ़ती गर्मी का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगा है। अस्पतालों की ओपीडी में उल्टी, पेट दर्द, डिहाइड्रेशन और हीट संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नागरिकों को सतर्क रहने और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग के फेकल्टी औरे हेल्थ एक्सपर्ट डा. निशांत गुप्ता ने बताया कि गर्मियों में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खानपान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस मौसम में लापरवाही बरतने से

डिहाइड्रेशन, लू, उल्टी-दस्त और पेट संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ती हैं। उन्होंने सलाह दी कि दिनभर में कम से कम 3 से 4 लीटर पानी अवश्य पीना चाहिए और घर से बाहर निकलने से पहले नाश्ता या भोजन जरूर करना चाहिए। साथ ही आहार में तरबूज, खरबूज, खीरा, ककड़ी, आम (केरी) और हरी सब्जियों जैसे हाइड्रेटिंग फलों को शामिल करना चाहिए, जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। डॉ. गुप्ता ने चेतावनी दी कि शक्कर और कैफीन युक्त पेय पदार्थ जैसे कोल्ड ड्रिंक और केमिकल युक्त बर्फ के गोले से बचना चाहिए। इसके स्थान पर घर पर बने पेय और सुरक्षित खाद्य पदार्थों का सेवन करना बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि गर्मी से बचाव के लिए हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें और बाहर निकलते समय टोपी, गमछा या चश्मे का उपयोग करें। साथ ही धूम्रपान, मदिरा और अधिक गरिष्ठ भोजन से परहेज करना चाहिए, क्योंकि ये गर्मी में शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। डॉ. गुप्ता के अनुसार, अधिक भोजन करने से भी पेट संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए हल्का और संतुलित भोजन करना चाहिए। इसके अलावा शरीर की स्वच्छता बनाए रखना भी जरूरी है, ताकि घमौरियों और त्वचा संबंधी बीमारियों से बचा जा सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते सावधानी बरती जाए तो गर्मी के दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है।

डॉ. गुप्ता के मुताबिक गर्मी के मौसम में मिलने वाले बर्फ के गोले में कई प्रकार के केमिकल युक्त रंगों का उपयोग किया जाता है, जो लंबे समय तक स्टोर किए जाते हैं। इससे पेट, लीवर और आंतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि कई विक्रेता बर्फ बनाने के लिए दूषित पानी का उपयोग करते हैं, जिससे उल्टी, दस्त और बैक्टीरियल इंफेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है।

मप्र अग्रसेन सभा द्वारा 15 वां दो दिवसीय अग्रवाल वैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का उद्घाटन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश अग्रसेन सभा द्वारा 15 वें दो दिवसीय अग्रवाल वैश्य युवक -युवती परिचय सम्मेलन का उद्घाटन मीरा गार्डन इंदौर में अग्रसेन महराज के चित्र पूजन एवं दीपज्वलन के साथ हुआ। कैलाश मित्तल, सुमित गर्ग, अतिथियों ने मंथन परिचय पुस्तिका का विमोचन किया। मंथन परिचय पुस्तिका में 750 से उच्च शिक्षित उच्च आय वर्ग डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, एमबीए ,आर्किटेक्ट एवं देश विदेशों में कार्यरत प्रत्याशियों के बायोडाटा सचित्र प्रकाशित किए गए। परिचय सम्मेलन में अभिभावक अपने बच्चों के साथ उनके जीवन साथी के चयन के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। मध्यप्रदेश अग्रसेन सभा के प्रदेश अध्यक्ष पूनम गर्ग ने बताया कि म.प्र. अग्रसेन सभा व इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन का संयुक्त आयोजन है। सम्मेलन के प्रमुख संरक्षक गोविन्द गोयल, संरक्षक विष्णु बिंदल, जगदीश गोयल बाबाश्री के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया जा रहा है।

प्रतिमा के अपमान से समाज में आक्रोश अज्ञात बदमाशों पर कार्रवाई की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हीरा नगर थाना क्षेत्र के सम्राट श्री चंद्रगुप्त मौर्य जी की प्रतिमा के अपमान का मामला सामने आने के बाद मौर्य समाज में भारी नाराज़गी फैल गई। मुराई मौर्य समाज क्षेत्र क्रमांक-1 के अध्यक्ष जयेश मौर्य ने थाना प्रभारी को शिकायत सौंपते हुए बताया कि 4 अप्रैल 2026 की रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रतिमा स्थल पर कचरा जलाया गया, जिससे प्रतिमा के चरणों के पास कालापन फैल गया। इतना ही नहीं, जले हुए कचरे की काली राख प्रतिमा के मुख पर मल दी गई, जिससे प्रतिमा का चेहरा काला दिखाई दिया और प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी किया गया।

शिकायत के अनुसार प्रतिमा स्थल पर अधजला कचरा भी मिला है। आसपास मौजूद ठेला संचालकों ने बताया कि देर रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने यह हरकत की। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिमा स्थल पर अक्सर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जहां नशाखोरी और अवैधानिक गतिविधियाँ होती रहती हैं। आरोप है कि यही तत्व आए दिन प्रतिमा स्थल की गरिमा भंग करते हैं। घटना के बाद समाजजनों और क्षेत्रीय रहवासियों में भारी आक्रोश है। मौर्य समाज ने इसे समाज की आस्था और सम्मान पर हमला बताते हुए पुलिस से तत्काल जांच कर दोषियों को पकड़ने तथा कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

गुरुद्वारा बेटमा में जिला न्यायाधीश का स्नेहिल प्रवास न्याय, संवेदना और सौहार्द का जीवंत उदाहरण

दैनिक इंदौर संकेत

बेटमा/इंदौर ● तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान का बेटमा स्थित गुरुद्वारा साहिब में अल्प प्रवास केवल एक औपचारिक आगमन न होकर उत्कृष्ट न्याय, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सौहार्द का अद्वितीय संगम बनकर उभरा। उच्च न्यायिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए भी उनकी सहजता, विनम्रता और करुणा से परिपूर्ण व्यक्तित्व ने उपस्थित जनसमूह के हृदय में गहरी छाप छोड़ी। गुरुद्वारा परिसर में प्रवेश करते ही प्रबंधक करनेल सिंह, गुरभेज सिंह एवं ज्ञानी ने परंपरागत मर्यादाओं के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया। श्री खान ने गुरुद्वारा साहिब के दर्शन कर शुभ आशीष प्राप्त किया और लंगर प्रसाद ग्रहण कर सेवा, समानता और समर्पण जैसे सिख पंथ के मूल सिद्धांतों के प्रति अपनी श्रद्धा अभिव्यक्त की। यह क्षण स्वयं में सामाजिक समरसता और धार्मिक सौहार्द का संदेश दे रहा था।

गोकलपुर और मेंढकवास के सरकारी तालाब में हुआ अवैध खनन

एमपीआरडीसी की एजेंसी पर लगे गंभीर आरोप, खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी है गायब

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

एक ओर सरकार 'जल शक्ति अभियान' के माध्यम से जल संरक्षण के लिए करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत सड़क निर्माण कर रहे ठेकेदार अपने निजी मुनाफे के लिए ग्रामीण क्षेत्रों की जल संरचनाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। मामला देपालपुर-इंगोरिया मार्ग निर्माण का है, जहाँ मेसर्स जैनको इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नियमों को ताक पर रखकर ग्राम पंचायत गोकलपुर और मेंढकवास के तालाबों से अवैध रूप से मिट्टी का भारी उत्खनन किया गया है।

5 गुना अधिक खुदाई: नियमों की धज्जियाँ उड़ाई– ग्राम पंचायत गोकलपुर द्वारा तालाब से केवल 3 फीट गहराई तक मिट्टी निकालने की एनओसी दी गई थी। उपयंत्री विष्णु मोयदे के अनुसार, ठेकेदार को सीमित खुदाई और माप पुस्तिका के पालन के निर्देश थे। किंतु, ग्रामीणों की शिकायत और प्रशासनिक पंचनामे से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोप है कि मौके पर 12 से 15 फीट तक गहरी खुदाई की गई है, जो स्वीकृत सीमा से कई गुना अधिक है। जिसमे तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी गहरी खुदाई से तालाब की अधस्तलीय परत क्षतिग्रस्त हो जाती है। इससे जल का प्राकृतिक रिसाव असंतुलित होगा और भविष्य में तालाब की जल संचयन क्षमता खत्म हो जाएगी।

प्रशासनिक कार्रवाई पर उठे सवाल–मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार नागेंद्र

त्रिपाठी एवं राजस्व निरीक्षक अनिल किराडे ने स्थल निरीक्षण कर पंचनामा बनाया था। मौके से पोकलेन मशीन और डंपर जब्त कर पंचायत की सुपुर्दगी में दिए गए थे। लेकिन ग्रामीणों का गंभीर आरोप है कि अधिकारियों के जाते ही मशीनरी को रहस्यमयी तरीके से ठेकेदार को वापस ले जाने दिया गया। यह राजस्व विभाग की कार्रवाई की पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है।

वही देखा जाएतो ठेकेदार द्वारा सारे नियमों को ताक पर रख कर तालाबो मे खुदाई की जा रही है जबकि मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम, 1996 के अनुसार, सार्वजनिक तालाबों से मिट्टी निकालने के लिए पर्यावरण प्रभाव का मूल्यांकन और राजस्व विभाग का सीमांकन अनिवार्य है। यदि स्वीकृत सीमा से अधिक उत्खनन हुआ है, तो यह अवैध खनन और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की श्रेणी में आता है, जिसके लिए भारी जुर्माने और ब्लैकलिस्टिंग का प्रावधान है।

सूत्र बताते हैं अनुमति के लिए लगातार से बड़े अधिकारियों ने सरपंचों पर दबाव बनाया और अनुमति दिलाई गई कहीं ना कहीं दबी जुबान से यह कहते दिखाई दिए परमिशन के लिए अधिकारी लगातार दबाव बना रहे थे से स्पष्ट प्रतीत होता है कि ठेकेदार के साथ जिम्मेदार अधिकारी और प्रशासन की मिली भगत है तहसीलदार ने जेसीबी पोकलेन डंपर पंचायत में खड़े करने के निर्देश दिए थे लेकिन अधिकारियों को जाते ही ठेकेदार को मशीनें वापस दे दी गई।

ग्रामीणों का कहना है की देपालपुर क्षेत्र पहले से ही जल संकट का सामना करता रहा है। और ऐसे मे गोकलपुर और मेंढकवास के ये तालाब भू-जल पुनर्भरण के मुख्य स्रोत हैं।

संगम नगर दिगंबर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद सेठी अब हमारे बीच नहीं रहे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज, संगम नगर के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद सेठी का रविवार, 5 अप्रैल को लंबी

बीमारी के बाद निधन हो गया । वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। जिनमें उनके दो पुत्र राकेश - राजेश सेठी व सुपुत्री अनीता गुप्ता और परिवार है। संगम नगर जैन मंदिर निर्माण में आपका समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। धर्म के प्रति आपकी अटूट श्रद्धा थी। आपके मार्गदर्शन में मंदिर एवं समाज ने जो प्रगति की वो सदैव आपकी याद दिलाती रहेगी। उनके निधन से संपूर्ण जैन समाज में शोक है। पंचकुइया मुक्ति धाम पर आयोजित शोक सभा में समाज श्रेष्ठी अजय जैन, सतीश जैन, आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 06 अप्रैल 2026

ज्येष्ठ अधिमास दो मई से, उज्जैन में जुटेगी सिंहस्थ जैसी भीड़

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● अगले माह से शुरु होने वाल अधिमास के दौरान उज्जैन में सिंहस्थ जैसी श्रृद्धालुओं की भीड़ जुटने की संभावना है। इसकी वजह है अधिमास में चौरासी महादेव, नौ नारायण व सप्त सागरों के दर्शन व पूजन की मान्यता है। इसके चलते हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे। इससे पहले ज्येष्ठ अधिक मास का संयोग वर्ष 2018 में आया था। ज्येष्ठ मास का आरंभ 2 मई को तथा समापन 29 जून को रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार 2 से 16 मई तक ज्येष्ठा मास का प्रथम कृष्ण पक्ष रहेगा। 17 मई से 15 जून तक अधिमास का पुण्य पर्वकाल रहेगा। इसी दौरान तीर्थाटन, स्नान, दान, कथा भागवत का श्रवण आदि का महत्व है। 16 से 29 जून तक ज्येष्ठा मास चौथा और आखिरी शुद्ध पखवाड़ा रहेगा। अधिमास का अर्थ है अतिरिक्त महीना, जो

तिथियों की घट-बढ़ से बनता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक माह में 15-15 दिन के दो पक्षकाल होते हैं। प्रथम 15 दिन कृष्ण पक्ष तथा दूसरे 15 दिन शुक्ल पक्ष कहलाते हैं। प्रतिदिन तिथियों का गणित घंटे, मिनट, घटी, पल, कला, विकला आदि की गणना पर निर्भर रहता है।

पौराणिक महत्व

अधिमास का विशेष महत्व बनाया गया है। पुराण के अनुसार अधिक मास में गुरु दीक्षा लेना, इष्ट की आराधना करना, तीर्थ स्नान व दान पुण्य करना, भागवत कथा का श्रवण करना, भगवत भजन करना, तीर्थ पर कल्पवास करना चाहिए। अधिक मास में सबसे अधिक महत्व भगवान विष्णु की आराधना का बताया गया है। भगवान विष्णु की आराधना करने से महापुण्य की प्राप्त होती है। धर्मधानी उज्जैन में जिस प्रकार सप्त सागर, चौरासी महादेव का महत्व है, उसी प्रकार नौ नारायण का भी अपना विशेष महत्व है। हर तीन साल में आने वाले अधिक मास में देशभर से हजारों भक्त यहां नौ नारायण के इन प्राचीन मंदिरों में दर्शन पूजन करने आते हैं।

सरकारी स्कूल में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत संयुक्त कलेक्टर का दौरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार एवं इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में भविष्य से भेंट कार्यक्रम अंतर्गत एकीकृत शासकीय हाईस्कूल लसुड़िया मोरी में शनिवार को जिलें की संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पांडेय ने निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से रूबरू चर्चा कर अनेक शिक्षाप्रद व ज्ञानवर्धक बातें की। संस्था के खेल प्रभारी शिक्षक एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने बताया कि 04 अप्रैल को इंदौर के अलग-अलग विद्यालयों में कलेक्टर के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारियों ने स्कूलों का निरीक्षण कर कक्षाओं में विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाया।

संस्था के प्राचार्य भूषण सराफ ने जॉइंट कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पांडेय का स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षक श्रीमती सुरक्षा मिश्रा, प्रीति बुखारिया जैन, शिल्पा जोशी, मनीषा व्यास, मनीषा जैन,राकेश गेहलोद,ज्योति रोड़े, प्राची गुप्ता, कविता टाटावत,स्मिता तपासे, भारती शर्मा, मीता शर्मा, सीमा जैन, अंजलि नायक, पूनम शर्मा, सारिका सोलंकी, शोभना पाल, अलका श्रीवास्तव सहित समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे।

भाजपा का स्थापना दिवस आज, भाजपा कार्यालय पर होगा ध्वजारोहण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन जावरा कंपाउंड, भाजपा कार्यालय पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, मुकेश कुकरेजा, कैलाश पिपले की उपस्थिति में दीपोत्सव मनाया गया। कार्यालय को पुष्प के वंदनवारों से सजाया गया। महिला मोर्चा द्वारा आकर्षक रंगोली मनाई गई एवं आकर्षक विद्युत सज्जा की गई। भाजपा के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर आज शाम महिला मोर्चा द्वारा भाजपा ध्वज एवं भाजपाई रंग से आकर्षक रंगोली बनाई गई। साथ ही कार्यकर्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय पर आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गयी हैं। कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, भाजपा जिंदाबाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहे, अमर रहे, जहाँ हुए बलिदान मुखर्जी को कश्मीर हमारा है,,, के नारे लगाए।

मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में हुई महाआरती,सजा फूल बंगला, लगा छप्पन भोग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बाणगंगा स्थित श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में शनिवार बावड़ी वाले हनुमान जी का फूल बंगला सजा,56 भोग लगा महाआरती हुई। हजारों भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की। आयोजन प्रमुख नीलम दुबे ने बताया कि त्रिविध्या गोशाला सेवा समिति द्वारा महोत्सव में भगवान बावड़ी वाले हनुमान जी का विशेष श्रृंगार कर अनेक किस्म के फूलों से निर्मित फूल बंगला सजा, महाआरती हुई, 56 प्रकारों के पकवानों से छप्पन भोग लगा। हजारों भक्तों ने महा प्रसादी ग्रहण की।

सत्यसांई ग्रिड पर 23 टन वजनी पीटीआर लगाया

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने शहर वृत्त अंतर्गत सत्यसांई ग्रिड पर गर्मी में बिजली मांग बढ़ने पर शनिवार को 10 एमवीए का 23 टन वजनी पीटीआर लगाया गया। ग्रिड की क्षमता वृद्धि से शहरी क्षेत्र के हजारों उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

फूल बंगले में विराजे बाल हनुमान, हुई महाआरती, 15 हजार से ज्यादा भक्तों ने महाप्रसादी की ग्रहण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नंदानगर स्थित बाल हनुमान मंदिर पर विभिन्न आयोजन आयोजित किए जिसमे बाल हनुमान फूल बंगले में विराजे, महाआरती हुई, 15 हजार से ज्यादा भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की। समिति के संरक्षक सुरेश गागरे, मंडल अध्यक्ष सुभाष मापरे एवं बाल हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष उदित शर्मा, उपाध्यक्ष कान्हा ठाकुर, ने बताया कि अयोध्या श्री राम मंदिर में विराजमान भगवान रामलला की मूर्ति के दर्शन हजारों भक्तों ने किया यह आकर्षण का केंद्र रही । श्री बाल हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया, फूलो से सजाया गया। बाल हनुमानजी का आचार्यों विद्वानों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन किया। सैकडो दीपो से महाआरती की गई। विशाल भंडारा में तकरीबन 15 हजार से ज्यादा भक्तो ने महाप्रसादी ग्रहण की, समिती सैकड़ो सदस्यों ने हजारों भक्तो को महाप्रसादी का वितरण किया। भक्तो ने व्यवस्थित कतार में लगकर प्रसादी ग्रहण की। भोजन प्रसादी में रामभाजी, पूड़ी, नुक्ती,भजिए सहित अन्य व्यंजन बनाए गए। यह भंडारा तकरीबन 4 घंटे तक अनवरत चला। इसमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, संतोष चोखंडे, अंकित यादव सहित अन्य सम्मिलित हुए।

वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन को दी नई चेतना : मालिनी गौड़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'जमुना की कोख से जन्मी वह गंगा थी, जिसकी वीरता की चमक देखकर स्वयं रानी लक्ष्मीबाई ने उसमें अपना प्रतिबिंब देख नाम दिया झलकारी ऐसी त्याग, तपस्या और अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति वीरांगना झलकारी बाई के 168वें बलिदान दिवस पर इंदौर के दशहरा मैदान अन्नपूर्णा रोड़ स्थित 'वीरांगना झलकारी बाई चौराहा' पर एक भव्य भावांजली कार्यक्रम विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ के मुख्य आतिथ्य एवं कोली समाज के प्रदेश अध्यक्ष महेश उमरैया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शहर की गणमान्य हस्तियों ने उस वीरांगना को याद किया, जिसने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ ने कहा कि झलकारी बाई केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि नारी शक्ति और देशभक्ति का सर्वोच्च उदाहरण हैं। उनके शौर्य के कारण ही झांसी की सेना अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दे पाई थी। श्रीमती गौड़ ने कहा कि झलकारी बाई का जीवन हमें सिखाता है, कि राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पण की कोई सीमा नहीं होती। आज की युवा पीढ़ी को उनके बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। श्रीमती गौड़ ने प्रतिमा की मांग के संदर्भ में कोली/कोरी समाज को आश्वस्त किया कि इन्दौर में झलकारी बाई की प्रतिमा लगना हमारे लिए गर्व होगा, उन्होंने कहा कि महावर नगर के गार्डन में प्रतिमा लगे, इसके लिए मैं हर कदम पर आपके साथ हूं।

भोपाल की ताल के चौपाल से

सम्मान कभी पोस्ट से नहीं मिलता साहब, रिश्ते कमाना पड़ते हैं...

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों आईएएस अफसरों की फीकी विदाई, पीएचक्यू की सख्ती और सत्ता के समीकरण काफी चर्चा में है। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... सिस्टम के भीतर की कहानियां ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल से भी समझ आती हैं। इस हफ्ते मंत्रालय के गलियारों से लेकर पीएचक्यू के कमरों और नवग्रह मंदिर के प्रांगण तक से कई कहानियां सामने आई हैं। अफसरशाही की चमक के पीछे छिपा सच कई तस्वीरों में सामने आया। कहीं 250 कुर्सियों वाले हॉल में सिर्फ 10 कुर्सियां भरीं तो कहीं रिटायर कर्मियों की विदाई में रिश्तों की गर्माहट ने प्रोटोकॉल को मात दे दी। उधर, मंत्रालय में बैठी एक सख्त मैडम ने खाकी की पुरानी आदतों पर ब्रेक लगाया।

आईएएस की फीकी विदाई और कर्मचारियों की जश्न वाली!

तो 31 मार्च को मंत्रालय में एक ऐसी विदाई हुई, जो कहीं न कहीं हमारे सिस्टम की असलियत को बेनकाब कर गई। कहने को तो ये आईएएस अफसरों की विदाई पार्टी थी, लेकिन जब पार्टी शुरू हुई तो हॉल में बैठे सिर्फ 10 अफसर! हां! आपने सही सुना... 250 लोगों के बैठने की क्षमता वाले हॉल में 150 आईएएस अफसरों में से केवल 10 ही पहुंचे। अब आप सोच रहे होंगे, 150 अफसर कहां गए? सही सोचा आपने, बाकी सब शायद अपनी विदाई की 'फॉर्मलिटी' से बचने के लिए कहीं और व्यस्त थे। जब इस स्थिति का सामना हुआ, तो पार्टी को तुरंत सीएस के एंटी-चेंबर में शिफ्ट किया गया। अब सोचिए, छोटी सी जगह में थोड़ी चहल-पहल और रौनक तो दिखनी चाहिए थी ना! अब सबसे मजेदार हिस्सा ये था कि मंत्रालय में पदस्थ प्रमोटी आईएएस अफसरों ने भी इस विदाई पार्टी से अपनी दूरी बना ली। ये बात भी है कि प्रमोटेड आईएएस की विदाई में वही जो सुपर सीनियर का ट्रीटमेंट हो, वो तो नहीं होता। एक और बात, याद है न इकबाल सिंह को विदाई देने में सीएम ने मीटिंग का नोटिस तक जारी किया था! बड़ा पद, बड़ा ढंग, बड़ा स्पेस... पर लोग भी तो ऐसे ही जुड़े रहते हैं।

और इस पार्टी का मंजर कुछ और ही रहा...

और फिर, दूसरी तरफ मंत्रालय में रिटायर हो रहे कर्मचारियों की विदाई पार्टी हुई। यहां का मंजर थोड़ा अलग था। कर्मचारी रिटायर हो रहे थे, और उनके रिश्तेदारों से लेकर मंत्रालय के साथी भी शामिल हुए थे। पार्टी में कोई स्पेशल शिफ्ट नहीं थी। क्योंकि ये लोग बड़े पदों पर नहीं थे। लेकिन क्या मजा आया! उनके लिए विदाई एक शानदार पल बन गया। छोटी सी पोस्ट, लेकिन बड़ा दिल और लोगों का प्यार। कर्मचारियों को हर बार सम्मान मिलता है, क्योंकि वे हमेशा जमीन से जुड़े रहते हैं; दूसरों के सुख-दुख में जो खड़े रहते हैं। मोरल ऑफ द स्टोरी: बड़े पद पर रहकर अगर आप जमीं से जुड़े नहीं रहते तो ऐसी विदाई ही होगी, जिसे सिर्फ एक फॉर्मलिटी भर माना जाएगा। और याद रखिए, सीनियर आईएएस अफसरों को भी अपनी विदाई खुद ही याद रखनी पड़ी, क्योंकि वे छोटी जगह से बहुत दूर जो हो चुके हैं।

रिटायर्ड आईएएस को पुनर्वास का इंतजार

अपर मुख्य सचिव के पद से रिटायर हुए साहब अपने पुनर्वास का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन साहब का नाम नियामक आयोग जैसी संस्था के अध्यक्ष के लिए कमेटी फाइनल कर चुकी है, लेकिन आदेश है कि निकलता ही नहीं। वैसे साहब बड़े ही शांत स्वभाव और धारा के साथ चलने वाले माने जाते हैं। लेकिन उनके समीकरण पूरी तरह से फिट नहीं बैठ पा रहे हैं। बताते हैं कि सूबे के मुखिया ने दूरदर्शी प्लान के चलते यह नियुक्ति होल्ड की है। आने वाले कुछ महीनों में कोई बड़ा अफसर रिटायर हो रहा है, शायद उन्हें इस पद पर पहला ऑफर दिया जा सकता है।

मैडम की सख्ती से पीएचक्यू परेशान

मंत्रालय में बैठने वाली मैडम की सख्ती से खाकी के आला अफसर खासे परेशान हैं। दरअसल अब तक पीएचक्यू अपने मनमाने तरीके से सरकार में काम करवा लेता था। लेकिन जब से मैडम ने मंत्रालय में पीएचक्यू के काम की कमान संभाली है, तब से खाकी वाले साहब लोगों के गणित गड़बड़ा गए हैं। मैडम के आगे उनकी एक नहीं चल रही। बताते हैं कि खाकी वालों ने इशारों में समझाया कि आईएएस की बातों में न आओ, आपको आना तो लौटकर अपनी बिरादरी में ही है। मैडम का एक ही राग है- सही काम रुकेगा नहीं, गलत काम आगे बढ़ेगा नहीं।

पंडितजी को फल गई नवग्रह शांति

पंडितजी के धैर्य और जीवटता को मानना पड़ेगा। जब उनके राजनीतिक करियर में लंबा अंधकार दिखाई दे रहा था, तब पंडितजी ने चाणक्य का साम, दाम, दंड और भेद का फार्मूला अपनाकर अंधकार भरे राजनीतिक करियर में रोशनी की अलख जला दी। अब बस मंजिल थोड़ी दूर ही बची है। दरअसल पंडितजी ने प्रदेश का सबसे बड़ा नवग्रह मंदिर बनाकर अपने कमजोर ग्रहों को मजबूत करके अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त दे दी। अब देखना यह है कि पंडितजी के स्ट्रीमलाइन में आने के बाद यह तंत्र-मंत्र वाला फार्मूला क्या उन्हें प्रदेश के शीर्ष पद तक ले जा सकता है?

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

युद्ध की आग में झुलसती रसोई, जमाखोरी और महंगाई की दोहरी मार

सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से उपजा संकट अब गहराने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है। सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों को घरों में ईंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने और ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने को भी कहा गया है। गौरतलब है कि ईरान तथा इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के करीब एक माह बाद कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बंद किया है, उसके बाद भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। ईंधन की कमी से उपजा वैश्विक संकट अब जिस स्तर पर बढ़ता जा रहा है, उसका भारत पर भी गहरा असर देखने को मिल रहा है, क्योंकि वह कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर अधिक निर्भर है। ऐसे में अगर युद्ध लंबा खिंचा तो आने वाले दिनों में किस तरह की परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को ईंधन आपूर्ति के वैकल्पिक उपायों पर अब व्यापक स्तर पर और गंभीरता से विचार करना होगा। देश में सरकार के समक्ष चुनौती सिर्फ तेल और गैस की कमी की ही नहीं है, बल्कि इसकी जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने की भी है।

युद्ध विराम से पाषाण युग तक ट्रम्प के बदलते बयानों के मायने

अब जबकि ईरान-इजरायल युद्ध ने अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद एक माह पूर्ण कर लिया है। ट्रम्प के बयानों में आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिल रहे है। ईरान को पाषाण युग में पहुंचा दिए जाने संबंधी बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के द्वारा देश की जनता को सम्बोधित करते हुए दिया गया बिल्कुल नया और आश्चर्यचकित कर देने वाला बयान है। इससे पूर्व उनके द्वारा युद्ध विराम की बात कही जा रही थी। ट्रम्प का बार-बार अपने बयानों से पलटना उनके अस्थिरप्रज्ञ होने की स्थिति को दर्शाता है। अस्थिरप्रज्ञ मतलब मन का स्थिर न होना। इजरायल ईरानी युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों से उनकी मानसिक स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। युद्ध ही क्यों अपने दूसरे कार्यकाल के आरम्भ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प हर दिन अपने बदलते बयानों के लिए चर्चा में रहे है। विश्व के ताकतवर देशों में शुमार अमेरिका के राष्ट्रपति के पद पर पदस्थ विश्व के सर्वोच्च नेता की अस्थिर प्रज्ञता सिर्फ अमेरिकी जनता के लिए ही नही पूरी दुनिया के लिए सोचने समझने और विचार करने की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल के बाद से उनकी मानसिक स्थिति को लेकर प्रश्न खडे किये जा रहे है। ट्रम्प का टैरिफ़ हो या भारत की पाकिस्तान के विरुद्ध की गयी कार्यवाही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सुबह के दिए बयान से शाम को बदल जाने की आदत को दुनियाँ ने देखा। अब भारत में साधारण आदमी भी ट्रम्प के बदलते बयानों को लेकर उन्हें पलटूराम की संज्ञा से नवाजने लगा है। अब सवाल यह है की ट्रम्प की इस मानसिक स्थिति का खामियाजा कहीं सारी दुनिया को तो नहीं उठाना पड़ रहा है? क्या ईरान को पाषाण युग में पहुंचाना इतना सरल है, जितना ट्रम्प सोच रहे है ? पाषाण युग की कल्पना अमेरिकी राष्ट्रपति के अंदर चल रही विध्वंसकारी सोच का बाहर आना है। यह सोच विश्व शांति की कल्पना के खिलाफ है। इस विध्वंसकारी सोच को साकार करना मतलब दुनिया में प्रलय को आंमत्रित करना है। अभी एक महिना चले युद्ध के असर ने दुनियाँ के देशों में हाहाकार और आवश्यक वस्तुओं का संकट पैदा कर दिया है। विश्व के देश शांति की मंगलकामना कर रहे है। किंतु ट्रम्प अमेरिकी नागरिकों को दिए अपने संदेश में ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की बात

कर रहे है। इजरायल ईरान के चल रहे युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप को दुनियाँ ने अनुचित बताया है। जब युद्ध शुरू होता है तो उस पर किसी का नियत्रण नहीं रहता है। यह बात रूस युक्रेन के युद्ध पर भी समान रूप से लागु होती है। जहां पुतिन की सोच के वितरित युद्ध लम्बा चला जिसमे रुसी ताकत को कमतर आकने पर मजबूर किया है। यही हाल ट्रम्प का हो रहा है। ट्रम्प सोच रहे थै, की उनके एक इशारे पर युद्ध शुरू होगा और दूसरे इशारे पर युद्ध विराम हो जाएगा। किंतु एक माह के युद्ध ने अमेरिकी राष्ट्रपति की छवि को धूमिल कर दिया है। युद्ध के एक सप्ताह बाद से ही युद्ध विराम का एक तरफा राग अलापने वाले ट्रम्प अब ईरान को अमेरिकी शर्तो पर युद्ध विराम नहीं करने पर पाषाण युग में पहुंचा देने की धमकी दे रहे है। उन्होंने उक्त बयान 2 अप्रेल 26 के अपने सम्बोधन में दिया है।

ट्रम्प की ईरान को पाषाण युग में पहुंचा देने की धमकी मानव सभ्यता के लिए विचारणीय प्रश्न है। परमाणु युग से पत्थर के युग में पहुंचाने का विचार एक अंहकारी और सनकी शासक की खीज के आलावा कुछ नही है। किंतु इस बयान के बाद पाषाण सभ्यता पर सरसरी निगाह दौड़ाई तो जाना की पाषाण सभ्यता प्रागैतिहासिक काल का वह आरम्भिक दौर है, जब मानव मुख्य रूप से पत्थर के औजारों का उपयोग करता था। यह युग लगभग 25-26 लाख वर्ष पूर्व से लेकर धातु (ताम्बा /काँसा) के प्रयोग तक चला। ट्रम्प की यह धमकी स्वयं को सर्व शक्तिमान समझने की गलतफहमी के आलावा कुछ भी नही हो सकती है।

दुनियाँ जब प्रगति के नवीन आयामों को छू रही है, तब किसी देश को पाषाण युग में पहुंचाने का यह अंहकारी बयान युद्ध की विभीषिका को और बढ़ाने का संकेत है। ट्रम्प का यह मानसिक दिवालियापन विश्व शांति के लिए बड़ा खतरा है। अपने वजूद को कायम रखने की सनक इंसान को क्रूरतम फैसले लेने की हद तक ले जाती है। ट्रम्प का इजरायल-ईरान युद्ध में हस्तक्षेप के बाद दुश्मन देश से अपनी शर्तो पर युद्ध विराम का एक तरफा राग जिसे अब तक ईरान ने अनसुना किया है,अपितु इसे मानने से भी इंकार कर दिया। क्रोधित ट्रम्प ने ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी दे डाली। अगरचे इस बात से इंकार नही किया जा सकता की अमेरिका की सामरिक ताकत का कोई मुकाबला नही है। अमेरिका का सैन्य बजट दुनिया में सबसे ज्यादा है, जो लगभग 886 अरब डालर का है। अमेरिकी सेना 11 परमाणु संचालित एयर क्राफ्ट कैरियर और 13 हजार से अधिक सैन्य विमान से सुसज्जित है। उसके पास लगभग 5200 परमाणु वारहेड है। 70 से अधिक देशो में सैन्य ठिकाने है। अमेरिका साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशल इंटलीजेंस और स्पेस रिसर्च में सबसे आगे है। दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है जिसका सकल घरेलू उत्पाद (त्र्छक्क) लगभग 26 ट्रिलियन डालर का है। दुनिया की सबसे बड़ी सामरिक ताकत होने के कारण ट्रम्प द्वारा दिए बयानों को हल्के में भी नहीं लिया जा सकता है।

कुलमिलाकर विश्व के शक्तिशाली देश के नेता को नवनिर्माण और प्रगति के संदेश देना चाहिए। शांति का नोबेल पाने की चाह रखने वाले विश्व के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति को तो विश्व शांति के प्रयासों पर बल देना चाहिए। दुनियाँ का अस्तित्व शांति से कायम रह सकता है। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने का ट्रम्प का विचार हिंसक और विकास विरोधी है। इसकी पुरजोर आलोचना दुनिया के देशों को करना चाहिए। विश्व के देशों को अमेरिका, इजरायल विरुद्ध ईरानी युद्ध में शांति के जोरदार प्रयासों को अंजाम देकर दुनियाँ को विध्वंसकारी विचारों से बचाने की पुरजोर कोशिश करना चाहिए।

नरेंद्र तिवारी स्वतंत्र लेखक
शंकरगली मोतिबाग सेंधवा जिला

पकड़े गए तो जुर्माना भर देंगे, नहीं तो निकल जाएंगे दंड की सीमा और नागरिक बोध की परीक्षा

इंदौर की सड़कों से आई एक चौंकाने वाली खबर। जनवरी से मार्च के बीच 1,26,349 चालान और 4.37 करोड़ रुपये की वसूली, इसे उपलब्धि मान लेना आसान है, पर सच्चाई इससे कहीं अधिक असहज है। यह आंकड़ा व्यवस्था की सफलता नहीं, बल्कि समाज की विफलता का लेखा-जोखा है। यह बताता है कि कानून और नागरिक के बीच संबंध अब 'विश्वास' या 'समझ' का नहीं, बल्कि 'डर' और 'दंड' का रह गया है।

यह विडंबना ही है कि जिस मनुष्य को विवेकशील प्राणी कहा जाता है, वह सड़क पर अपनी ही सुरक्षा के लिए बाहरी नियंत्रण का मोहताज है। हेलमेट सिर की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि जेब बचाने के लिए पहना जा रहा है। नियम पालन अब नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक सौदा बन गया है, 'पकड़े गए तो जुर्माना भर देंगे, नहीं तो निकल जाएंगे।' जब कानून का पालन 'संयोग' और उल्लंघन 'रणनीति' बन जाए, तब यह समझ लेना चाहिए कि दंड की शक्ति अपनी सीमा पर पहुंच चुकी है।

यहां एक दिलचस्प द्वंद्व भी है। जब पुलिस सख्ती करती है, तो उस पर 'वसूली' का आरोप लगता है; और जब ढील देती है, तो अव्यवस्था के लिए वही दोषी ठहराई जाती है। यह दोहरा रवैया हमारी नागरिक चेतना की खामी को उजागर करता है। हम अधिकारों के प्रति तो सजग हैं, पर कर्तव्यों के प्रति लापरवाह। लोकतंत्र में यह असंतुलन अंततः अराजकता को जन्म देता है। असल प्रश्न यह है कि क्या चालान की बढ़ती संख्या सड़कों पर अनुशासन की गारंटी दे सकती है? अनुभव कहता है, नहीं। यदि दंड के बावजूद उल्लंघन जारी है, तो इसका अर्थ है कि हमने समस्या को सतह पर ही समझा है। दंड केवल व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, मानसिकता को नहीं बदल सकता। और जब तक मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक हर नया नियम, हर नया कैमरा और हर नई तकनीक केवल अस्थायी उपाय बनकर रह जाएंगे। यहीं से 'कानून' और 'संस्कृति' के बीच का फर्क सामने आता है। विकसित समाजों में ट्रैफिक नियम किताबों में नहीं, व्यवहार में बसते हैं। रेड लाइट पर रुकना वहां एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है; हमारे यहां यह इस बात पर निर्भर करता है कि चौराहे पर कैमरा या सिपाही है या नहीं। हमने नियमों को 'बाहरी नियंत्रण' के रूप में स्वीकार किया है, 'आंतरिक संस्कार' के रूप में नहीं। लेकिन पूरी जिम्मेदारी नागरिकों पर डाल देना एक आसान समाधान है। व्यवस्था की अपनी सीमाएं और कमियां भी हैं। क्या हमारे शहरों की सड़कें वास्तव में नियम पालन के अनुकूल हैं? अस्पष्ट जेब्रा क्रॉसिंग, अव्यवस्थित पार्किंग, असंगत सिग्नल टाइमिंग और अचानक सामने आ जाने वाले कट ये सब मिलकर एक ऐसी परिस्थिति बनाते हैं, जहां नियम तोड़ना कभी-कभी मजबूरी भी बन जाता है। ऐसे में केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि उसका सरलीकरण है।

इसलिए जरूरत एक व्यापक दृष्टिकोण की है, जो दंड से आगे जाकर सुधार की बात करे। पहला कदम है पारदर्शी और प्रभावी प्रवर्तन। चालान केवल राजस्व का साधन न बनकर, सुधार का माध्यम होना चाहिए। बार-बार नियम तोड़ने वालों के लिए सख्त और दीर्घकालिक दंड, जैसे लाइसेंस निलंबन, एक स्पष्ट संदेश दे सकते हैं कि कानून केवल 'लेन-देन' का विषय नहीं है। दूसरा, सड़क इंजीनियरिंग को प्राथमिकता देनी होगी। साफ-सुथरे संकेत, अतिक्रमण मुक्त फुटपाथ, और डायनामिक सिग्नलिंग, ये सब मिलकर नियम पालन को सहज बनाते हैं। जब व्यवस्था स्पष्ट और अनुकूल होती है, तो अनुशासन अपने आप बढ़ता है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण, नागरिक बोध का विकास। हमें यह समझना होगा कि ट्रैफिक नियम सरकार या पुलिस का दबाव या जिद नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सुरक्षा का आधार हैं। सड़क पर चलना केवल व्यक्तिगत यात्रा नहीं, बल्कि एक साझा सामाजिक अनुबंध है। इसमें हर व्यक्ति की जिम्मेदारी दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी होती है। इंदौर, जिसने स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में देश को दिशा दिखाई है, वह यातायात में भी उदाहरण बन सकता है। लेकिन इसके लिए 'जुर्माने के शहर' से 'अनुशासन के शहर' की यात्रा करनी होगी। यह यात्रा डंडे के डर से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के बोध से पूरी होगी।

राजकुमार जैन, यातायात प्रबन्धन विशेषज्ञ

आंचलिक

मूंग बुवाई 20% घटी, खरीदी पर असमंजस, 26 हजार हेक्टेयर में फसल, एमएसपी तय फिर भी आदेश नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●जिले में इस वर्ष 26 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गर्मी की मूंग की बुवाई की गई है। हालांकि, सरकारी खरीदी को लेकर किसानों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण पिछले साल की तुलना में बुवाई का रकबा घट गया है। जिन किसानों के पास अतिरिक्त सिंचाई की व्यवस्था थी, उन्होंने मूंग की फसल लगाई है, जो अब बढ़वार पर है। पिछले साल 33 हजार हेक्टेयर में मूंग बोई गई थी, जबकि इस वर्ष यह रकबा घटकर 26 हजार हेक्टेयर रह गया है, जो लगभग 20% की कमी दर्शाता है। किसान भावसिंह चौहान और आत्माराम सेठाना ने बताया कि प्रदेश सरकार समर्थन मूल्य पर गर्मी की मूंग खरीदती है। फसल को बोए हुए लगभग एक महीना हो चुका है, लेकिन खरीदी को लेकर अभी तक कोई सूचना जारी नहीं की गई है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8682 से 8768 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। किसानों के अनुसार, बारिश की मूंग की तुलना में गर्मी की मूंग की फसल में बीमारियां कम आती हैं, जिससे उत्पादन भी अधिक होता है। जहां बारिश में प्रति हेक्टेयर 8 क्विंटल मूंग की उपज होती है, वहीं गर्मी में यह 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पहुंच जाती है। मूंग की पत्तियों पर रस चूसक कीटों का हमला भी कम होता है, जिसे किसान स्थानीय कृषि विभाग के मार्गदर्शन से नियंत्रित कर लेते हैं।

नेपानगरपा लिमिटेड को लेकर दिल्ली में हलचल तेज, 33.54 करोड़ रुपए जारी होने के संकेत

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● नेपानगर स्थित नेपा लिमिटेड को पुनर्जीवित करने की कोशिशें एक बार फिर तेज होती नजर आ रही हैं। लंबे समय से अटके कर्मचारियों के वेतन भुगतान और संस्थान के भविष्य को लेकर अब केंद्र स्तर पर हलचल बढ़ गई है। दिल्ली में हुई बैठकों के बाद 33.54 करोड़ की स्वीकृत राशि जारी होने के संकेत मिले हैं। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के नेतृत्व में नेपा ऑफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री से मुलाकात की कर्मचारियों के लंबित वेतन भुगतान के लिए स्वीकृत राशि जल्द जारी करने की मांग रखी। इस दौरान मंत्री को एक पत्र भी सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केशरी, सचिव संजय पवार और संयुक्त सचिव देवेंद्र महोबे शामिल रहे। वहीं, नेपा मिल श्रमिक संघ के पदाधिकारी भी इस पहल में साथ रहे।

नेपा लिमिटेड के जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे के अनुसार, हाल ही में सीएमडी नरेश सिंह के नेतृत्व में भारी उद्योग मंत्रालय के समक्ष नवीनीकृत संयंत्रों का सफल ट्रायल रन प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद से ही संस्थान को दोबारा गति मिलने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। नेपानगर स्थित यह इकाई करीब 140 गांवों की अर्थव्यवस्था से जुड़ी है। लंबे समय से उत्पादन प्रभावित होने के कारण हजारों परिवारों पर इसका असर पड़ा है। हालांकि हाल के समय में बेहतर गुणवत्ता के कागज उत्पादन के साथ संस्थान ने अपनी उपयोगिता फिर से साबित करने की कोशिश की है। मामले को लेकर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने भी केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री से फोन पर चर्चा की और शीघ्र समाधान की जरूरत बताई। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा भी इस मुद्दे को उठाते हुए कर्मचारियों के लंबित वेतन के भुगतान की मांग दोहराई गई।

बायपास से खेतों के रास्ते बंद, किसान आंदोलन की चेतावनी, बारिश में बढ़ेगी मुश्किल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●जिले में बायपास निर्माण के कारण किसानों के खेतों तक पहुंचने के रास्ते बंद हो गए हैं। इससे खरगोन के अलावा कसरावद और सैलानी क्षेत्र के किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। किसानों ने इस समस्या को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। किसानों का कहना है कि बायपास निर्माण के दौरान खेतों के कच्चे रास्ते खत्म कर दिए गए हैं। अब उन्हें 20 से 25 फीट ऊंचे पुल के आगे से बैलगाड़ी और अन्य वाहन ले जाने पड़ते हैं, जिससे बारिश के मौसम में वाहनों के फंसने की आशंका बढ़ जाती है।

यह स्थिति खलघाट से पाल तक बन रहे 347 नेशनल हाईवे पर बायपास निर्माण के कारण उत्पन्न हुई है। भारी यातायात को शहरी क्षेत्र में प्रवेश से रोकने के लिए बायपास पर अंडरपास बनाए जा रहे हैं। कसरावद बायपास में 25 से अधिक किसानों के रास्ते बंद हो गए हैं, और ऐसी ही समस्या खरगोन व सैलानी बायपास पर भी है। किसान दीपक मुकाती पाटीदार ने बताया कि उनकी 15 बीघा जमीन में से आधी अधिग्रहित हो गई है और वह अंडरपास के दोनों ओर बंट गई है। रितेश पाटीदार, राजेंद्र पाटीदार, शोभाराम राठौड़, अजय जायसवाल और ओमप्रकाश पाटीदार सहित अन्य किसानों ने भी खेत तक पहुंचने में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया। किसानों का कहना है कि उन्होंने ह्वढ्ढ और प्रशासन को कई बार अवगत कराया है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस संबंध में प्रोजेक्ट मैनेजर राहुल सिंह ने बताया कि ज्यादातर खेतों के रास्ते बना दिए गए हैं और काम नियमानुसार जारी है। उन्होंने कहा कि जहां ज्यादा दिक्कतें हैं, वहां एडीएम और एसडीएम के निर्देश पर कार्रवाई की जाएगी।

राजेंद्र भारती फिर से विधायक होंगे, बड़ी कोर्ट से जीत मिलेगी : जीतू पटवारी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को खंडवा से होकर हरदा के लिए रवाना हुए। इस दौरान जिले की सीमा में 6-7 जगहों पर मंच लगाकर कांग्रेस नेताओं ने पटवारी का स्वागत किया। जिला कांग्रेस कमेटियों के गठन के बाद जीतू पटवारी का यह पहला आगमन था। जिसे लेकर कांग्रेसियों में और ज्यादा उत्साह दिखाई दिया। मीडिया से बातचीत में पटवारी ने कहा कि, यह मोहन यादव सरकार सिर्फ विज्ञापन पर चल रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव को विज्ञापन पुत्र बताया और कहा कि किसानों को इस सरकार ने त्रस्त कर दिया हैं।

शिवराजसिंह ने मुख्यमंत्री रहते हुए कहा था कि कृषि बजट अलग से लेकर आएंगे और सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए, गेहूं के दाम 2700 रूपए प्रति क्विंटल दिए जाएंगे, लेकिन दो साल बाद भी किसानों को यह उचित दाम नहीं मिले हैं। कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वल्लभ भवन से किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए जाएंगे।

9 अप्रैल को जिलों में आंदोलन करेगी कांग्रेस

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि, इस बार गेहूं की खरीदी 15 मार्च से होना थी। जो बढ़कर 10 अप्रैल तक पहुंच गई है। यह सरकार और पूरे सिस्टम की विसंगति को दर्शाता है। जब केंद्रीय कृषि मंत्री ही प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार है, तब ऐसे हालात है। करीब 10 करोड़ बारदान की राशि जमा करनी थी। लेकिन सरकार ने सिर्फ ढ़ाई करोड़ बारदान की राशि ही जमा कराई। यह सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हैं। इसके विरोध में कांग्रेस 9 अप्रैल को जिला स्तर पर आंदोलन करेगी। कलेक्टरों का घेराव करेंगे।

पटवारी बोले- राजेंद्र भारती फिर से विधायक बनेंगे

दतिया विधायक राजेंद्र भारती के मप्र विधानसभा से निलंबन को लेकर पटवारी ने कहा कि, उन्हें स्टे मिल गया हैं। विधायकी के लिए बड़ी कोर्ट (सुप्रीम कोर्ट) का दरवाजा खटखटाया हैं। राजेंद्र भारती फिर से विधायक बनेंगे।

रिटायर्ड असिस्टेंट कमिश्नर का बिचौलिया हॉस्टल अधीक्षक सस्पेंड

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जनजातीय कार्य विभाग में हुए थोकबंद तबादलों के मामले में एक हॉस्टल अधीक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि, रिटायर्ड असिस्टेंट कमिश्नर संतोष शुक्ला के लिए उन्होंने बिचौलिये का काम किया। असिस्टेंट कमिश्नर रहते हुए संतोष शुक्ला ने जो ट्रांसफर व पोस्टिंग ऑर्डर निकाले थे, उनके लिए हॉस्टल अधीक्षक, प्राचार्य और टीचरों से लेनदेन का काम किया गया। हॉस्टल अधीक्षक हेमंत सिन्हा के निलंबन का आदेश रविवार को जारी किया गया है। दैनिक भास्कर के खुलासे के बाद प्रभारी मंत्री ने शुक्ला द्वारा जारी सभी ट्रांसफर और पोस्टिंग आदेश निरस्त करवा दिए हैं। तबादलों के एवज में लेनदेन के आरोपी सिन्हा मामले की जांच प्रभावित न कर सकें, इसलिए प्रभारी असिस्टेंट कमिश्नर बजरंग बहादुर ने यह निलंबन की कार्रवाई की है। आदेश निरस्त होने के अगले ही दिन रविवार (अवकाश) के बावजूद दफ्तर खोला गया और सबसे पहला आदेश हॉस्टल अधीक्षक हेमंत सिन्हा के निलंबन का जारी किया गया। प्रभारी असिस्टेंट कमिश्नर बजरंग बहादुर ने यह कार्रवाई की है। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि आरोपी के पद पर रहने से मामले की जांच प्रभावित हो सकती थी, इसलिए जांच को निष्पक्ष रखने के लिए यह सस्पेंशन किया गया है।

बेटियों को मोनालिसा बनने से बचाओ, हिंदू सम्मेलन में घुसपैठ के मुद्दे पर कहा- देश के वोटर को समझदार : प्रवीण तोगड़िया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा खंडवा में आयोजित हिंदू सम्मेलन में संगठन के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने देश के समसामयिक मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनाव, घुसपैठ, हिंदू एकता, युद्ध और देश की आर्थिक स्थिति जैसे विषयों पर बयान दिए। तोगड़िया ने देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनावों और घुसपैठ के मुद्दे का जिक्र किया। राज्यों में चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि वहां का मतदाता बेहद चतुर है और वह परिस्थितियों को समझते हुए श्रेष्ठ निर्णय करेगा। असम, पश्चिम बंगाल और केरल राज्यों की जनता मतदान के जरिए इसका जवाब देगी। सम्मेलन में उन्होंने बड़ा लक्ष्य रखते हुए कहा कि देशभर में 1 लाख हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। हर केंद्र से 100 परिवारों को जोड़ा जाएगा। इस तरह 1 करोड़ परिवारों को जोड़कर हिंदू एकता का व्यापक अभियान चलाया जाएगा।

आईपीएल : आज केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी) ● इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 12वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच सोमवार को ईडन गार्डन स्टेडियम, कोलकाता में खेला जाएगा। ये मुकाबला भारतीय समय अनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में पंजाब इक्सकग्स ने अपने दोनों मैच जीत शानदार शुरुआत की है। वहीं, इस टूर्नामेंट तीन बार की चैंपियन केकेआर को मुस्तफिज़ुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों की कमी साफ खल रही है। इस सीजन कोलकाता ने दो मैच खेले हैं और उन्हें किसी में भी सफलता नहीं मिली है। दूसरी ओर इन फॉर्म पंजाब किंग्स जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से मैदान में उतरेगी। न्यूजीलैंड के तीन टॉप खिलाड़ी फिन एलन, टिम सिफर्ट और रचिन रविंद्र कोलकाता में होने के बावजूद, केकेआर उनका अच्छे से यूज नहीं कर पा रही है। एलन ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मौका मिला है। पिछले टी-20 विश्व कप में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सिफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र बेंच पर ही बैठे हैं। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन को टीम में शामिल किया, लेकिन वह गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। अनुभवी टी-20 खिलाड़ी रोवमैन पॉवेल का बाहर रहना, केकेआर के सिलेक्शन पर सवाल उठा रहा है। कोलकाता की गेंदबाजी तो चिंता का विषय है ही, बल्लेबाजी में भी उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। रहाणे को ओपनिंग के लिए प्रोमोट करने का फैसला मिला-जुला रहा है। नंबर-5 के बाद बल्लेबाजी क्रम कमजोर नजर आता है। वहीं, पंजाब किंग्स में अभी सब ठीक चल रहा है। ईडन गार्डन की परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझने वाले श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम कोलकाता के मैदान पर उतरने जा रही है। युवा कूपर कोनोली ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दो मैचों में 108 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने विस्फोटक शुरुआत दी है। अय्यर ने बीच के ओवरों में आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी संभाली है। अर्शदीप सिंह, मार्को जानसेन और विजयकुमार वैशाक की गेंदबाजी यूनिट संतुलित दिखती है, वहीं अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल गेंदबाजी में मजबूती देते हैं।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं। पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकॉनमी रेट 4.90 रहा था।

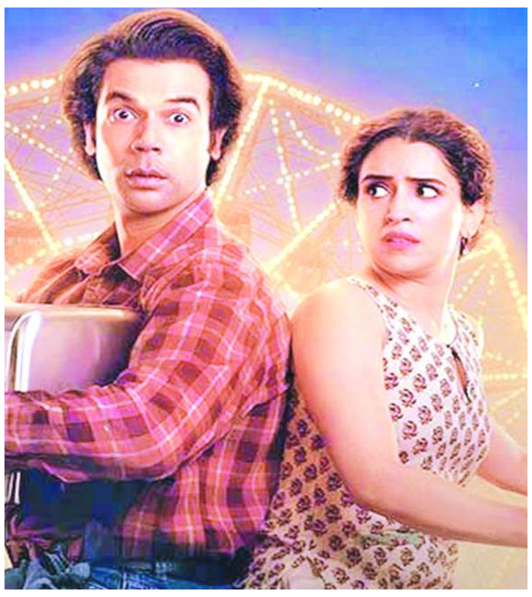

फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'टोस्टर' में राजकुमार राव एक कंजूस आदमी का किरदार निभा रहे हैंसान्या मल्होत्रा फिल्म में राजकुमार की पत्नी का रोल कर रही हैं। 'टोस्टर' के ट्रेलर से राजकुमार के किरदार की शुरुआत से ही झलक मिलती है। वह बेहद कंजूस है और उन्हें इस बात का कोई अफसोस नहीं है। टैगलाइन में उन्हें 'एक प्यारा कंजूस' कहा गया है। वह अपनी पत्नी के कहने पर, एक नए कपल को शादी में 5,500 रुपये का टोस्टर गिफ्ट में देता है। हालांकि, शादी के तुरंत बाद ही उस कपल का तलाक हो जाता है। यह सुनकर राजकुमार का किरदार अपना टोस्टर वापस लेने का फैसला करता है, जिसे उसने गिफ्ट किया था इससे वह अजीबोगरीब परिस्थितियों में फंस जाता है। विवेक दास चौधरी की निर्देशित और कम्पा फिल्म्स के बैनर तले पत्रलेखा की बनाई इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, अभिषेक बनर्जी, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, उपेन्द्र लिमये और सीमा पाहवा ने काम किया है। यह फ़िल्म नेटफ्लिक्स पर 15 अप्रैल को रिलीज होगी।

सिंगापुर का खाना, फैशन और माहौल पसंद आया मौनी रॉय को

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री मौनी रॉय को सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो 'साँसी' की शूटिंग के दौरान एक नया अनुभव हुआ। वीडियो में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। अभिनेत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में शामिल था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास साबित हुआ। उन्होंने कहा कि इस खूबसूरत देश को पहली बार करीब से देखने और उसी दौरान शूटिंग करने का अनुभव उनके लिए अनोखा रहा। वहां का खाना, फैशन और माहौल उन्हें बेहद पसंद आया और उन्होंने खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुला-मिला हुआ महसूस किया। उन्होंने आगे बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाने का मौका मिला, जहां हर जगह का अनुभव अलग था। कभी शहर तेज रफ्तार और हलचल से भरा नजर आता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। इसी दौरान उन्हें सिंगापुर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मौनी के मुताबिक, वह वहां काम करने गई थीं, लेकिन शहर के आकर्षण में इस कदर खो गईं कि अब दोबारा वहां जाने की इच्छा रखती हैं। यह गाना 'साँसी' गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम वॉकिंग ऑन वॉटर का हिस्सा है।

उज्जैन संभाग

शासकीय भूमि विवाद में सरपंच प्रतिनिधि पर हमला, अतिक्रमण हटाने के बाद हुई मारपीट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जिले के झारड़ा क्षेत्र में शासकीय भूमि विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शनिवार को गोशाला के सामने अतिक्रमण हटाने के बाद हुए विवाद में सरपंच प्रतिनिधि नागूलाल मालवीय (50) पर लाठी से हमला किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह विवाद 2 अप्रैल को प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा झारड़ा स्थित गोशाला की जमीन के सामने से अवैध अतिक्रमण हटाने के बाद शुरू हुआ था। इस टीम में तहसीलदार, पटवारी और पुलिस अधिकारी शामिल थे। सरपंच सविता मालवीय के पति और प्रतिनिधि नागूलाल मालवीय नई आबादी झारड़ा के निवासी हैं। वे उसी जमीन का मुआयना करने मौके पर पहुंचे थे। वहां मौजूद कुछ लोगों ने फलदार पेड़ और फसलें हटाने पर नाराजगी जताते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

नागूलाल मालवीय के अनुसार, भागीरथ सोलंकी, उनके बेटे प्रमोद, बेटी संगीता, पत्नी शांताबाई और अन्य परिजनों ने पहले उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग किया और फिर उन्हें पकड़कर लाठी-डंडों से हमला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपियों ने उन पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसाईं, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद नागूलाल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उज्जैन रेफर कर दिया। उनका इलाज वर्तमान में तिरुपति अस्पताल में जारी है।

मामले में प्रमोद पिता भागीरथ, शांति बाई पति भागीरथ, संगीता पिता भागीरथ, भागीरथ सोलंकी पिता मांगीलाल, राहुल पिता गंगाराम और सज्जन बाई पति गंगाराम के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरे पक्ष ने भी अपना पक्ष रखा है। फरियादी प्रमोद ने बताया कि उन्होंने अतिक्रमण बिना किसी विवाद के हटा दिया था, लेकिन फिर भी उनके फलदार पेड़ उखाड़ दिए गए और फसलों को नुकसान पहुंचाया गया, जिसके कारण यह विवाद उत्पन्न हुआ।

सिंहस्थ की तैयारियां तेज, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने की समीक्षा बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 की तैयारियां तेज हो गई हैं। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने रविवार को प्रशासनिक संकुल में समीक्षा बैठक की और शहर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को पूर्व अनुभवों के आधार पर योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डॉ. राजौरा ने सिंहस्थ 2016 में पदस्थ रहे अधिकारियों के अनुभवों का लाभ उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा तैयार किए गए प्रशासनिक नोट्स का अध्ययन कर भीड़ प्रबंधन, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं की बेहतर योजना बनाई जाए, ताकि भविष्य में कोई दिक्कत न आए।

अपर मुख्य सचिव ने अस्थाई प्रकृति के कार्यों की योजना को व्यवस्थित बनाने पर विशेष बल दिया, क्योंकि पूरे मेले का संचालन इन्हीं पर निर्भर करेगा। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने बैठक में स्थाई कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और अस्थाई व तात्कालिक कार्यों की संभावित कार्ययोजना भी बताई। डॉ. राजौरा ने सभी विभागों को अपने-अपने कार्यों की स्पष्ट समय-सीमा तय कर अगली बैठक में योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

भूखी माता ब्रिज दिसंबर 2026 तक होगा तैयार

बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने अधिकारियों के साथ शहर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अंगारेश्वर मंदिर के पास शिप्रा नदी पर बन रहे नए घाटों का जायजा लिया, जहां कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री भी पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने कार्तिक मेला ग्राउंड से नई खेड़ी तक बन रहे 2.6 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया।

उन्होंने भूखी माता ब्रिज के निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने बताया कि ब्रिज का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा हो जाएगा, जबकि कनेक्टिविटी रोड जनवरी 2027 तक तैयार हो जाएगी। गेल चौराहे से शांति नगर के बीच सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति पर भी उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निर्माण कार्यों की तेज गति देखकर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह की सराहना की।

गुरुनानक घाट पर बड़ा हादसा टला, डूबते तीन युवकों को जवानों ने बचाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● गुरुनानक घाट पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया। गुजरात के अहमदाबाद से आए तीन युवक स्नान करते समय गहरे पानी में डूबने लगे, जिन्हें मौके पर तैनात जवानों ने तत्परता से बचा लिया। होमगार्ड के संतोष जाट ने बताया कि जतिन (22) नामक युवक को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा और वह डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में उसके साथी भंवर सिंह (23) और ऋषि (26) भी पानी में उतरे, लेकिन वे भी संतुलन खोकर डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान, ड्यूटी पर तैनात जवान माखन परमार, शुभम शर्मा, सनी परमार, राहुल मंगलेश्वरी, राहुल परिहार और दीपक सोनी ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी। उन्होंने साहस दिखाते हुए तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद तीनों युवक पूरी तरह सुरक्षित हैं। बचाए गए श्रद्धालुओं ने जवानों की तत्परता और बहादुरी की सराहना की। रामघाट चौकी प्रभारी ईश्वरलाल चौधरी ने बताया कि सभी युवक गुजरात के अहमदाबाद से उज्जैन दर्शन के लिए आए थे और समय पर रेस्क्यू होने से एक बड़ा हादसा टल गया।

होटलों में जलेबी, फाफड़ा, पपड़ी मिलना बंद, महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को नहीं मिलेगा गर्म नाश्ता

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण शहर में जलेबी-फाफड़ा मिलना बंद हो गया है। अधिकांश दुकानदारों ने गैस की कमी के चलते इसे बनाना बंद कर दिया है। इसके चलते लोगों को पोहे के साथ मिलने वाली जलेबी नहीं मिल पा रही है। वहीं, कई होटल संचालकों ने समोसा-कचोरी के दाम बढ़ाने के साथ उत्पादन भी घटा दिया है। मालवा क्षेत्र में आमतौर पर सुबह का नाश्ता पोहा-जलेबी के साथ होता है, लेकिन ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण आम लोगों से जलेबी का स्वाद छिन गया है। दरअसल, उज्जैन के करीब 5 हजार होटल-रेस्टॉरेंट में रोज सुबह चाय, पोहा, जलेबी, फाफड़ा और पापड़ी का नाश्ता तैयार होता है। लेकिन गैस की किल्लत ने इस नाश्ते का स्वाद बिगाड़ दिया है।

गैस सिलेंडर की कमी के चलते कुछ रेस्टॉरेंट संचालकों ने जलेबी, फाफड़ा और पापड़ी बनाना पूरी तरह बंद कर दिया है, तो कुछ इसे दिन में सिर्फ एक बार बनाकर रख रहे हैं। इसके बाद पूरे दिन बनाने पर रोक लगा दी जाती है। शहर के जनता टी स्टॉल, महाकाल रेस्टोरेंट, जैन समोसा-कचोरी रेस्टोरेंट, काका के समोसे, नागर पोहा-जलेबी रेस्टोरेंट सहित फ्रीगंज, ऋषिनगर, नानाखेड़ा, कंठाल, सराफा, इंदौर गेट, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन के सामने स्थित कई होटल-रेस्टोरेंट में जलेबी बनना बंद हो गया है।

रेस्टोरेंट के संचालक संजय यादव ने बताया कि युद्ध के बाद से गैस की कमी लगातार बनी हुई है। अब हालत यह हो गई है कि सिलेंडर मिलना मुश्किल हो गया है। इसके चलते उन्होंने लकड़ी की भट्टी पर समोसे बनाना शुरू कर दिया है, वह भी दिन में सिर्फ एक बार। पहले दिन भर समोसे बनते थे। चाय बनाने के लिए केवल इंडक्शन का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 15 दिनों से जलेबी नहीं बनाई गई, क्योंकि जलेबी बनाने के लिए लंबे समय तक गैस की जरूरत होती है। गैस नहीं मिलने से आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। इसके चलते समोसा-कचोरी का दाम 12 रुपए से बढ़ाकर 15 रुपए कर दिया गया है, वहीं चाय 8 रुपए से बढ़ाकर 10 रुपए में बेची जा रही है। संचालक के अनुसार, उन्हें हर महीने करीब 80 हजार से 1 लाख रुपए तक का नुकसान हो रहा है। महंगाई बढ़ने से बिक्री भी कम हुई है। यहां दिनभर जलेबी, फाफड़ा और पापड़ी की अच्छी बिक्री होती थी। पहले जलेबी लगातार बनती रहती थी, लेकिन अब केवल सुबह एक बार ही बनाई जाती है। जलेबी की चाशनी और चाय का काम इंडक्शन पर किया जा रहा है। गैस की कमी के कारण काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि पहले समोसे 15 रुपए में बेचे जाते थे, लेकिन गैस आपूर्ति में कमी और तेल-दाल की कीमत बढ़ने के कारण अब समोसे 18 रुपए में बेचे जा रहे हैं।

एनएबीएच सर्टिफिकेट न देने पर प्रदेश के 126 अस्पताल आयुष्मान से बाहर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश में 126 अस्पतालों की आयुष्मान भारत मान्यता रद्द हो गई है। एनएबीएच सर्टिफिकेट न देने पर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के अस्पताल प्रभावित हुए हैं। अब इन अस्पतालों में गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज नहीं मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत बड़ा फैसला लिया है। राज्य के चार बड़े शहरों के 126 अस्पतालों की मान्यता रद्द कर दी गई है। इन अस्पतालों ने एनएबीएच सर्टिफिकेट की जरूरी जानकारी तय समय में नहीं दी थी। आयुष्मान कार्यालय ने पहले इन सभी अस्पतालों को नोटिस भेजा था। जवाब न मिलने के बाद यह कदम उठाया गया। अब इन अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद मरीजों को योजना के तहत मुफ्त इलाज नहीं मिलेगा।

4 शहरों में कितने अस्पताल प्रभावित–भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में कुल 398 अस्पताल आयुष्मान योजना से जुड़े हैं। इनमें से 126 अस्पताल एनएबीएच जानकारी नहीं दे सके। भोपाल में सबसे ज्यादा 51 अस्पतालों पर कार्रवाई हुई है। इंदौर के 30, ग्वालियर के 33 और जबलपुर के 12 अस्पताल इस सूची में आए हैं। यानी अकेले भोपाल और इंदौर में 81 अस्पताल प्रभावित हुए हैं। यह संख्या राज्य के बड़े शहरों के लिए चिंता की बात है।

आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश के CEO डॉ. योगेश भरसट ने इस फैसले को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है ताकि मरीजों को सुरक्षित इलाज मिल सके। एनएबीएच सर्टिफिकेट अस्पताल की गुणवत्ता और सुरक्षा का प्रमाण होता है। इसमें 600 से अधिक मानकों पर अस्पताल की जांच होती है। इनमें मरीज की सुरक्षा, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और इमरजेंसी सेवाएं शामिल हैं। नर्सिंग स्टाफ की क्षमता और सर्जरी प्रक्रियाओं को भी परखा जाता है। सरकार का मानना है कि यह सर्टिफिकेट मरीज को भरोसेमंद इलाज की गारंटी देता है। बिना इस प्रमाण के योजना में बने रहना अब संभव नहीं होगा।

जिन अस्पतालों के पास पहले से फुल एनएबीएच सर्टिफिकेट है उन्हें डीम्ड इंपैनलमेंट का फायदा मिलेगा। ऐसे अस्पतालों को आवेदन करते ही सीधे योजना से जोड़ा जाएगा। उन्हें अलग से किसी निरीक्षण की जरूरत नहीं होगी। जिन अस्पतालों के पास फुल एनएबीएच नहीं है उन्हें पहले एंट्री लेवल एनएबीएच लेना होगा। इसके बाद तीन साल के भीतर फुल एनएबीएच सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा। यह एक चरणबद्ध व्यवस्था है जिससे छोटे अस्पताल भी तैयार हो सकें। आयुष्मान अस्पताल को उनकी सेवा गुणवत्ता के आधार पर भुगतान मिलेगा। फुल एनएबीएच अस्पतालों को क्लेम राशि का 115 प्रतिशत भुगतान किया जाएगा। एंट्री लेवल एनएबीएच वाले अस्पतालों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान का लाभ मिलेगा। इस नीति का मकसद है कि अस्पताल बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रेरित हों। जो जितनी अच्छी सेवा देगा उसे उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। यह व्यवस्था अस्पतालों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाएगी।

इन अस्पतालों की सूची जारी

• स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल • आधोशहर हॉस्पिटल • यूनिटिक हॉस्पिटल • अयोध्या श्री हॉस्पिटल एंड प्राइम सेंटर प्लानपी • डॉक्टर मल्टीस्पेशलिटी ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर सेंटर • बालाजी क्रेटर जनरल हॉस्पिटल • यथा हॉस्पिटल • हेल्थ स्टार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • अटल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • पिगज़ीन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड सिवस सेंटर • सुरेश मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • लाइफलाइन हॉस्पिटल • अंतर्राष्ट्रीय हॉस्पिटल • वी केयर क्लिनिकल हॉस्पिटल • महावीर इंटरनेशनल मेडिकल साइंस एंड रिसर्च • आर्केडिक मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर • पुष्पाजोति सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल • क्षमा हॉस्पिटल • न्यूरियन ट्रॉमा सेंटर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • संजीवनी हॉस्पिटल • सहना हॉस्पिटल • बालाजी चिल्ड्रन हॉस्पिटल • गुडविल हॉस्पिटल • वीना कॉलेज एंड हॉस्पिटल (VCH हॉस्पिटल) • अल रशीद बैरीरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर • संकलन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • पक्षी हॉस्पिटल • परस्ना हॉस्पिटल • आयर्य निधि हॉस्पिटल • पीएमसीएच हॉस्पिटल • साई श्री हॉस्पिटल • जगन्नाथ आई केयर सेंटर (डे केयर सेंटर) • विवेक हॉस्पिटल • मुरल हॉस्पिटल • सचिन ममता हॉस्पिटल • कुम्भ हॉस्पिटल • भोपाल टेस्ट दब्ब बाबी सेंटर • पालवानी मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल • हॉप हॉस्पिटल • स्वामी विवेकानंद रीजनल स्पाइन सेंटर • मुस्कान चिल्ड्रन एंड जनरल हॉस्पिटल • अवधेश मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • मेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • ग्रीन सिटी हॉस्पिटल • केयर एंड केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • केंद्रीय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल • वयस्क हॉस्पिटल • सेल हॉस्पिटल

प्रदेश में 489 शराब दुकानें निगम से चलाने की तैयारी, मॉडल देखने सीजी जाएंगे दो अफसर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश में नीलामी से बची 489 शराब दुकानों को निगम मॉडल पर चलाने की तैयारी है। सरकार पर 3500 करोड़ रुपए का राजस्व बकाया है। दो अफसर मॉडल देखने जाएंगे और 6 से 9 अप्रैल के बीच रिपोर्ट देंगे। मध्यप्रदेश में आबकारी विभाग की नीलामी प्रक्रिया एक बड़े संकट में है। 12 राउंड की टेंडरिंग के बाद भी 489 शराब दुकानें बिना बिके बची हुई हैं। इन दुकानों से सरकार को अब तक करीब 19 हजार 952 करोड़ रुपए के राजस्व का लक्ष्य था, लेकिन तीन हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम अभी भी जुटानी बाकी है। शनिवार, 04 अप्रैल को आयोजित 13वें राउंड की ई-टेंडरिंग में भी 20 से 40 प्रतिशत तक ऑफर रिजर्व प्राइस से नीचे आए। इससे पहले के 12 राउंड में कुल 28 ऑफर आए और 176 करोड़ रुपए का लक्ष्य तय हुआ था।

30% से नीचे ऑफर भी लेंगे, कैबिनेट कमेटी राजी–शुक्रवार देर शाम शराब दुकानों की नीलामी के लिए बनी कैबिनेट कमेटी की बैठक हुई। इसमें आबकारी अधिकारियों ने 30 प्रतिशत से नीचे आए ऑफर स्वीकार करने पर सहमति जताई। कमेटी के सदस्य और मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि ऐसा कानूनी रूप से ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बची हुई 489 दुकानों को निगम बनाकर चलाया जा सकता है। इसी के बाद शनिवार को आबकारी विभाग ने दो अधिकारियों को छत्तीसगढ़ भेजने का फैसला किया है। यह अधिकारी वहां पहले से चल रहे निगम मॉडल को समझेंगे।

छग मॉडल क्या है, दो अफसर क्यों जा रहे–छत्तीसगढ़ में शराब दुकानें सरकारी निगम के जरिए चलाई जाती हैं। इस मॉडल में दुकानें किसी निजी ठेकेदार को नहीं दी जातीं बल्कि सरकार खुद इन्हें संचालित करती है। मध्यप्रदेश अब यही फॉर्मूला अपनाने पर विचार कर रहा है। प्रभारी उपायुक्त आलोक कुमार खरे और सहायक आबकारी आयुक्त सत्यनारायण दुबे को यह काम सौंपा गया है। ये दोनों अफसर 6 से 9 अप्रैल के बीच अपनी रिपोर्ट देंगे। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे का फैसला होगा।

डिस्ट्रीब्यूटर और सप्लाई चेन भी प्रभावित–प्रदेश में सप्लाई का बड़ा हिस्सा एक डिस्ट्रीब्यूटर समूह के पास था। हाईकोर्ट द्वारा लाइसेंस निलंबन बरकरार रखे जाने के बाद सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। वैकल्पिक कंपनियों से सप्लाई शुरू होने में समय लग रहा है, जिससे शॉर्टेज बनी हुई है। नए टेकेदारों को डिपो से माल उठाने और दुकानों तक पहुंचाने में भी दिक्कत आ रही है। इससे उपभोक्ताओं को मनचाहा ब्रांड नहीं मिल पा रहा और विदेशी ब्रांड का आवक भी कम हुई है।

सरकार के राजस्व को हर दिन नुकसान–यह पूरा मामला सिर्फ शराब की बिक्री का नहीं है। सरकार को इससे हर दिन राजस्व का नुकसान हो रहा है। नई नीति में रिजर्व प्राइज बढ़ाने के बावजूद सप्लाई न होने से सरकार की कमाई घट रही है। कैबिनेट कमेटी की बैठक के बाद यह साफ हो गया है कि सरकार को जल्द कोई बड़ा फैसला करना होगा। निगम मॉडल की रिपोर्ट आने के बाद ही तय होगा कि 489 दुकानों का भविष्य क्या होगा।

बाजार में देसी शराब और बियर की किल्लत

इस पूरे संकट का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ रहा है। एक अप्रैल से लागू नई आबकारी नीति के बाद प्रदेश की 40 प्रतिशत दुकानों पर स्टॉक न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। अधिकांश दुकानों पर देसी शराब और बियर की सप्लाई प्रभावित हुई है। स्टॉक खत्म हो जाने के बाद बची हुई शराब ऊंची कीमत पर बिक रही है। नई नीति के तहत 3553 दुकानों के लिए ई-टेंडर और ई-ऑक्शन प्रक्रिया शुरू की गई। इसमें दुकानें छोटे समूहों में बांटकर कई पुराने ठेकेदारों को पीछे हटना पड़ा।

इंदौर में नए ब्रिज छह लेन बन रहे, लोकमान्य नगर क्रासिंग पर दो लेन ब्रिज का भूमिपूजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में बढ़ते ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण और पीडब्ल्यूडी जहां छह लेन ब्रिज बना रहे हैं, वहीं लोकमान्य नगर-केसरबाग रेलवे क्रॉसिंग पर केवल दो लेन ब्रिज बनाए जाने को लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा शुरू हो गई है। इस ब्रिज का भूमिपूजन रविवार को सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी गौड़ और महापौर पुष्यमित्र भार्गव की मौजूदगी में किया गया। प्रस्तावित ब्रिज की चौड़ाई 10.50 मीटर रखी गई है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में दो लेन का ब्रिज भविष्य में पर्याप्त नहीं होगा। उनका मानना है कि अधिक यातायात की स्थिति में ब्रिज पर ही जाम लग सकता है और ओवरटेक के प्रयास में हादसों की आशंका भी बनी रहेगी। यह ब्रिज रेलवे विभाग द्वारा लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई करीब 650 मीटर होगी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेलवे क्रॉसिंग के आसपास पर्याप्त जगह उपलब्ध है, जिससे यहां छह लेन ब्रिज का निर्माण भी संभव था।

3552 एलपीजी सिलेण्डर जब्त और 10 मामलों में एफआईआर : राजपूत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण देश और प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है। मंत्री श्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नही दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें।

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 2693 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 3552 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 10 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा 666 पेट्रोल पंपों की जांच भी की गई, जिनमें 2 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को भी शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सतत आपूर्ति की जा रही है। उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए गैस बॉटलिंग प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित प्लांट और वितरकों के स्टॉक की निरंतर समीक्षा की जा रही है। सीजीडी संस्थाओं को घरेलू एवं व्यावसायिक पीएनजी के आवेदनकर्ताओं को पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिये सीजीडी संस्थाओं के कंट्रोल रूम नम्बर इस प्रकार हैं। अवंतिका गैस लिमिटेड - इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर (9424098887), गैल गैस लिमिटेड - देवास, रायसेन, शाजापुर, सीहोर (7880001788), नवेरिया गैस लिमिटेड - धार (07292-223311), थिंक गैस - भोपाल, राजगढ़, शिवपुरी (1800-5727-107), आईओसीएल - गुना (9425991090), मउगंज, रीवा (9424836488), अशोकनगर (9425119522), मुरैना (7223982333), बीपीसीएल - मैहर, सतना शहडोल (9424738607), सीधी, सिंगरौली (9424341954), गुजरात गैस लि. - रतलाम (7412230292) शामिल है। प्रदेश के इन स्थानों से पाइप-लाइन के आस-पास के घरेलू एवं व्यावसायिक उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन के लिये आवेदन कर सकते हैं।

8 साल में बनकर तैयार हुई जिला अस्पताल की नई बिल्डिंग, सुविधाएं भी बढ़ेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के जिला अस्पताल की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो चुकी है और जल्द ही अस्पताल को नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इस भवन ने निर्माण में देरी का एक रिकॉर्ड भी बनाया है। लगभग आठ वर्षों में यह बिल्डिंग तैयार हुई है। अब इसमें पहले की तुलना में अधिक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नए भवन में हाईटेक ऑपरेशन थिएटर, एक्स-रे, पैथोलॉजी, सीटी स्कैन सहित कई अन्य चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। यह बिल्डिंग वर्ष 2023 तक पूरी होनी थी, लेकिन लगभग तीन साल की देरी के बाद इसका निर्माण पूरा हुआ। जब इस परियोजना को मंजूरी मिली थी, तब इसकी अनुमानित लागत करीब 50 करोड़ रुपये थी, लेकिन निर्माण में 70 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं। अब स्वास्थ्य विभाग अस्पताल में आवश्यक सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में जुटा हुआ है। नए भवन में जिला अस्पताल की क्षमता बढ़कर 300 बेड की हो जाएगी। चार मंजिला इस बिल्डिंग में पुरुष, महिला, आईसीयू और प्रसूति वार्ड बनाए गए हैं। इसके अलावा ओपीडी के लिए भी पर्याप्त स्थान दिया गया है, जिससे मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। पार्किंग के लिए भी पर्याप्त जगह रखी गई है। इस नए अस्पताल भवन में शिफ्ट होने से चंदन नगर, धार रोड, प्रजापत नगर, स्कीम-71, लाबरिया भैरव सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

जबलपुर, धार, कटनी, रतलाम सहित आधा दर्जन जिलाध्यक्ष बने पदाधिकारी यूथ ब्रिगेड

'एक व्यक्ति एक पद' फॉर्मूले की अनदेखी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश भाजपा की यूथ ब्रिगेड (भाजयुमो) अध्यक्ष श्याम टेलर की नई कार्यसमिति में इस बार भी नेता पुत्रों को जगह नहीं मिल पाई। टेलर की टीम में 'एक व्यक्ति एक पद' फॉर्मूले की अनदेखी हो गई। कार्यसमिति में 56 सदस्यीय पदाधिकारियों में जबलपुर, धार, नरसिंहपुर, रतलाम, कटनी और डिंडोरी के जिलाध्यक्षों को उपाध्यक्ष/महामंत्री जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति दी गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पदाधिकारियों की जल्दी ही परिचयात्मक बैठक मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। आधा दर्जन जिलों के मौजूदा अध्यक्षों में नरसिंहपुर के प्रियांक जैन को कोषाध्यक्ष की जवाबदारी सौंपी गई है। इसके अलावा कटनी जिलाध्यक्ष मृदुल मिश्रा और ठाकुर सहित धार जिलाध्यक्ष जयसूर्या को उपाध्यक्ष की प्रदेश जवाबदारी सौंपी गई है। डिंडोरी जिलाध्यक्ष राकेश सिंह परस्ते और रतलाम के विपल्व जैन को भाजयुमो का प्रदेश महामंत्री बनाया गया है।

प्रदेश पदाधिकारियों की टीम में जगह पाने के लिए सभी जिलों से युवा नेता जोर लगा रहे थे। पार्टी के भी अपने समर्थकों के लिए अनुशंसा कर रहे थे। इसी खींचतान में मोर्चा की कार्यसमिति सबसे बाद में घोषित हो पाई। वरिष्ठ नेता इस बारे में प्रदेश इकाई को भी की जानकारी दी गई है। पार्टी मुख्यालय में दो दिन बाद नए पदाधिकारियों बैठक बुलाई गई है। इस बात की संभावना है कि जिलों की टीम गठित करते समय बदलाव कर दिया जाएगा। इस संबंध में मोर्चा अध्यक्ष टेलर से संपर्क किया गया लेकिन उनकी प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की टीम में यह दूसरा मौका है जब नेता पुत्रों को स्थान नहीं मिल पाया। मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार की टीम में पार्टी के नेताओं की नई पीढ़ी को पद नहीं दिए गए थे। भाजपा प्रदेश संगठन ने इस बार भी मोर्चा अध्यक्ष टेलर को नेता पुत्रों के बजाए जिलों में पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय युवाओं को मौका देने का मशविरा दिया था। नई सूची में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े युवाओं को मौका मिला है। इनके अलावा कतिपय अन्य नेताओं को भी कार्यसमिति में जगह दी गई है।

गलत प्रवेश दिया तो प्राचार्य पर लगेगा प्रति स्टूडेंट पांच हजार रुपए का जुर्माना

एमपी बोर्ड की प्रवेश नीति जारी : 10वीं में सात साल बाद बेस्ट ऑफ फाइव समाप्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • एमपी बोर्ड ने सात साल बाद 10वीं में बेस्ट ऑफ फाइव योजना को समाप्त कर दिया है। प्रदेश में 9वीं में विद्यार्थी 13 साल से कम उम्र के बच्चे प्रवेश नहीं ले सकेंगे। इसके बावजूद छात्रों के गलत प्रवेश पर संस्था प्राचार्य पर 5000 का अर्थदंड भी लगाया जाएगा। एमपी बोर्ड ने ने वर्ष 2026-27 के लिए नवमीं से बारहवीं तक की प्रवेश नीति जारी कर दी है।

एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं परीक्षा में हर साल 17 लाख से ज्यादा विद्यार्थी शामिल होते है। विद्यार्थियों के लिए माशिमं द्वारा प्रतिवषार्नुसार शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में सत्र 2026-27 की प्रवेश नीति जारी की गई है। प्रवेश नीति के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं का ऑनलाइन नामांकन 15 मई से 30 सितंबर तक सामान्य शुल्क 500 रुपए के साथ करना होगा। 10वीं-12वीं के परीक्षा फार्म ऑनलाइन आवेदन जमा करने की तारीख 15 मई से 15 सितंबर तक 15 सौ रुपए सामान्य शुल्क के साथ रहेगी। 10वीं और 12वीं में विषय नहीं बदल सकेंगे छात्र-बोर्ड द्वारा कक्षा 9वीं के आधार पर 10वीं में तथा कक्षा 11वीं के आधार पर 12वीं में अर्थात छात्र ने कक्षा 9वीं अथवा 11वीं में जो विषय भरे हैं, वही विषय कक्षा 10वीं एवं 12वीं में भर सकेंगे। विषय का चयन प्रचलित पाठ्यक्रमानुसार किया जाएगा। छात्रों को 10वीं और 12वीं में विषय बदलने की पात्रता नहीं होगी। 9वीं कक्षा में प्रवेश एक अप्रैल की स्थिति में 13 साल से कम उम्र में नहीं दिया जाएगा।

अपार आईडी अनिवार्य, अपात्र स्टूडेंट के प्रवेश पर प्राचार्यों पर लगेगा जुमार्ना-माशिमं की परीक्षाओं के आवेदन पत्र में अपार आईडी नंबर लिखना अनिवार्य होगा। साथ ही ऐसे छात्रों के प्रति छात्र 5000 का अर्थदंड संस्था प्राचार्य को देना होगा एवं संस्था की संबंद्धता समाप्त किए जाने संबंधी कार्यवाही का जाएगी।

विद्यार्थियों को पहले मिलेगा डमी प्रवेश पत्र

एमपी बोर्ड की परीक्षा के आवेदन पत्र या नामांकन फार्म भरने की भरने की अंतिम तारीख के सात दिन बाद प्रत्येक परीक्षार्थी का डमी प्रवेश पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक शाला प्राचार्य डमी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर प्रवेश पत्र की गलती चेक करेंगे। डमी प्रवेश पत्र में दर्ज जानकारी का सत्यापन छात्र एवं अभिभावकों से कराया जाएगा। सभी प्राचार्य उनकी संस्था में अध्ययनरत (कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं) सभी छात्रों के आवेदनों में कोई गलती नहीं है।

परीक्षा फीस में 80 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी

माशिमं ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सभी शुल्क में बढ़ोत्तरी की है। यह शुल्क 25 फीसदी से लेकर 80 फीसदी तक बढ़ाया गया है। इसमें नियमित विद्यार्थियों को 1200 के बजाय 1500 और स्वाध्यायी को 1600 रुपए की फीस जमा करनी होगी। माशिमं ने नामांकन शुल्क भी 350 से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया है। दस वर्ष पुरानी अंकसूची की प्रतिलिपि लेने का शुल्क 600 से बढ़ाकर एक हजार रुपए किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।